मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 10 अंक 15
सोमवार, 20 जुलाई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

पश्चिम बंगाल में अमित शाह ने 700 करोड़ की दुनिया की सबसे बड़ी दही उत्पादन परियोजना की रखी आधारशिला

नई दिल्ली, 19 जुलाई। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को पश्चिम बंगाल में अमूल बंगाल डेरी परियोजना के तहत दुनिया के सबसे बड़े दही उत्पादन संयंत्र की आधारशिला रखी। शाह ने न्यू टाउन स्थित विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर से हावड़ा में बनने वाले इस संयंत्र की आधारशिला डिजिटल माध्यम से रखी। इस मौके पर मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी और अमूल ब्रांड के तहत डेरी उत्पादों का विपणन करने वाली गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (जीसीएमएमएफ) के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

करीब 700 करोड़ रुपये के निवेश से हावड़ा फूड पार्क में बनने वाली इस परियोजना की प्रतिदिन लगभग 30 लाख लीटर दूध प्रसंस्करण की क्षमता होगी। आधिकारिक बयान के अनुसार, संयंत्र में हर दिन करीब 1,000 टन दही और अन्य संवर्धित डेरी उत्पादों का उत्पादन किया जा सकेगा। इसके पूरा होने के बाद यह दुनिया की सबसे बड़ी दही उत्पादन इकाई बन जाएगी। बयान में कहा गया कि इस परियोजना से पश्चिम बंगाल के 1.25 लाख से अधिक डेरी किसानों को लाभ मिलने की उम्मीद है, जिनमें 30,000 से अधिक महिलाएं शामिल हैं। इससे किसानों को दूध के लिए स्थिर बाजार उपलब्ध होगा और राज्य में डेरी सहकारी नेटवर्क को मजबूती मिलेगी। यह परियोजना राज्य में डेरी बुनियादी ढांचे के विस्तार और मूल्यवर्धित दूध प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के प्रयासों के तहत विकसित की जा रही है।

अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर में बाढ़ का जायजा लिया

कश्मीर, 19 जुलाई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के साथ लगातार भारी बारिश से पैदा हुई बाढ़ की स्थिति की समीक्षा के लिए उच्च-स्तरीय बैठक की। राजौरी ज़िले में अचानक आई बाढ़ के बाद, शाह ने इमरजेंसी राहत और बचाव कार्यों के लिए केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासन से संपर्क किया। पर एक पोस्ट में उन्होंने भरोसा दिलाया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारी बारिश से पैदा हुए हालात के बारे में जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से बात की और उन्हें केंद्र सरकार की ओर से हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। राजौरी के मुरादपुर इलाके में तेजी से बढ़ते पानी के स्तर के कारण फँसे दो लोगों को इमरजेंसी रेस्पॉन्डर ने सफलतापूर्वक बचा लिया। डिप्टी कमिश्नर अभिषेक शर्मा ने कहा कि भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ में फँसने के बाद, राजौरी के मुरादपुर में नदी से दो लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। बचाव दलों ने उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तुरंत कार्रवाई की। ज़िला प्रशासन ने लोगों को सलाह दी है कि वे नदियों, नालों और बाढ़ की आशंका वाले इलाकों में जाने से बचें, क्योंकि लगातार बारिश की वजह से पानी का स्तर खतरनाक रूप से बढ़ा हुआ है।

राम मंदिर चंदे की चोरी पर राहुल -खड़गे ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

नई दिल्ली, 19 जुलाई। अयोध्या राम मंदिर में दान की कथित चोरी को लेकर मचे विवाद के बीच, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट' के वित्तीय मामलों की जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि अपनी मेहनत की कमाई आस्था के साथ दान करने वाले लाखों श्रद्धालु चोरी से ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। संसद के दोनों सदनों में विपक्ष के नेताओं ने अपने पत्र में कहा कि आप श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में हजारों करोड़ रुपये की चोरी के बारे में जानते हैं। जिन लाखों श्रद्धालुओं ने आस्था, भक्ति और भरोसे के साथ अपनी मेहनत की कमाई दान की थी, वे इस चोरी से खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

उन्होंने प्रधानमंत्री से कहा कि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों पर संसद में ट्रस्ट बनाने की घोषणा की थी, लेकिन इसके सदस्य पूरी तरह से उनकी सरकार ने ही नियुक्त किए थे। उन्होंने कहा कि आपने भारत के सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों पर संसद में ट्रस्ट बनाने की घोषणा की थी, लेकिन इसके सदस्य पूरी तरह से आपकी सरकार ने ही नियुक्त किए हैं। यह बात सबको पता है कि ट्रस्ट के सदस्य फ्रर, श्लढ और उनसे जुड़े संगठनों से जुड़े हुए हैं। इसके बदनाम पूर्व जनरल सेक्रेटरी भी आपके करीबी सहयोगी थे। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री की चुप्पी स्वीकार्य नहीं है और उनसे जवाबदेही तय करने और भरपाई सुनिश्चित करने की मांग की। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि ऐसे अपराध के मामले में आपकी चुप्पी मंजूर नहीं है। जवाबदेही तय करना और नुकसान की भरपाई सुनिश्चित करना आपकी ज़िम्मेदारी है। हम आपसे आग्रह करते हैं कि आप ट्रस्ट के वित्तीय मामलों की तुरंत एक स्वतंत्र और व्यापक जांच का आदेश दें, जिसमें नकद, सोना और चांदी समेत सभी चढ़ावों के प्रबंधन की जांच भी शामिल हो।

नेपाल में फिर कांपी धरती; 5 .0 तीव्रता के भूकंप से दहशत, कई जिलों में महसूस हुए झटके

नेपाल, 19 जुलाई। नेपाल के लुंबिनी प्रांत के पूर्वी रुकुम जिले में रविवार शाम 5.0 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप के झटके आसपास के कई जिलों में भी महसूस किए गए, जिससे लोगों में कुछ देर के लिए दहशत फैल गई। हालांकि शुरूआती रिपोर्टों के अनुसार किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। नेपाल के राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, भूकंप स्थानीय समयानुसार शाम 4:30 बजे आया। इसका केंद्र पूर्वी रुकुम जिले के कोल क्षेत्र में था, जो राजधानी काठमांडू से लगभग 400 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है।

भूकंप के झटके केवल पूर्वी रुकुम तक सीमित नहीं रहे। रोल्पा, बागलुंग और म्याग्दी जिलों के लोगों ने भी कंपन महसूस होने की जानकारी दी। झटके महसूस होते ही कई लोग एहतियातन घरों और इमारतों से बाहर निकल आए। एनईएमआरसी के वरिष्ठ भूकंप विज्ञानी लोक विजय अधिकारी ने बताया कि अब तक भूकंप से किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान या हताहत होने की सूचना नहीं मिली है। प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और स्थानीय अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

नेपाल हिमालयी क्षेत्र में स्थित है, जहां भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों के टकराने के कारण अक्सर भूकंप आते रहते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार नेपाल दुनिया के सबसे सक्रिय भूकंपीय क्षेत्र में शामिल है। इसी वजह से यहां हर वर्ष छोटे-बड़े कई भूकंप दर्ज किए जाते हैं। वर्ष 2015 में आए विनाशकारी 7.8 तीव्रता के भूकंप में करीब 9,000 लोगों की मौत हुई थी और लाखों लोग प्रभावित हुए थे। इसके बाद से नेपाल में भूकंप निगरानी और आपदा प्रबंधन व्यवस्था को और मजबूत किया गया है।

बीजेपी को छात्रों के भविष्य की नहीं, सिर्फ वैचारिक एजेंडे की चिंता: कांग्रेस

रांची, 19 जुलाई। कांग्रेस की झारखंड इकाई ने रविवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार को छात्रों के भविष्य की कोई चिंता नहीं है। उसने दावा किया कि सरकार का सारा ध्यान राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) जैसे प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और अपनी विचारधारा से जुड़े लोगों को अहम पदों पर नियुक्त करने पर है। झारखंड में कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने रांची में संवाददाताओं से बातचीत में कहा, देश के युवाओं और छात्रों का गुस्सा चरम पर पहुंच चुका है।

इस भ्रष्ट और त्रुटिपूर्ण व्यवस्था से परेशान युवा सड़कों पर उतरकर लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, हर साल करोड़ों छात्र-छात्राएं दिन-रात मेहनत करते हैं, लेकिन यह भ्रष्ट व्यवस्था उनकी सारी मेहनत पर पानी फेर देती है। भाजपा सरकार को छात्रों के भविष्य की कोई चिंता नहीं है। उसकी प्राथमिकता सिर्फ एनटीए जैसे प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों में आरएसएस और अपनी विचारधारा से जुड़े लोगों को अहम पदों पर बैठाना है।

यादव ने सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया कि 2014 से लेकर अब तक देशभर में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के 152 प्रश्नपत्र लीक हो चुके हैं, जिससे करीब 7.5 करोड़ छात्र प्रभावित हुए हैं। कथित नीट प्रश्नपत्र लीक मामले का जिक्र करते हुए यादव ने दावा किया कि देशभर में दो दर्जन से अधिक अभ्यर्थियों ने आत्महत्या कर ली। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के किसी भी प्रतिनिधि ने न तो इन अभ्यर्थियों के परिजन से मुलाकात की और न ही उनकी स्थिति के बारे में जानकारी ली। यादव ने कहा, यही नहीं, आज तक किसी भी प्रमुख अपराधी को सजा नहीं मिली है और न ही सरकार ने किसी की जवाबदेही तय की है।

भाजपा सरकार पर सत्ता के नशे में चूर होने का आरोप लगाते हुए यादव ने कहा कि केंद्र न तो इन परिवारों के दर्द को समझ रहा है और न ही युवाओं के आक्रोश की आवाज सुन रहा है। उन्होंने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने विद्यार्थियों की चिंताओं को रेखांकित करने के लिए 'छात्रों की गूंज' अभियान शुरू किया है। यादव ने कहा, हमारे नेता राहुल गांधी ने छात्रों के दर्द को समझा है और उनकी आवाज को मजबूती से उठा रहे हैं।

उत्तराखंड और राजस्थान की सरकारों ने 'छात्रों की गूंज' अभियान को रोकने और आयोजन स्थलों पर कार्यक्रम की अनुमति न देने के लिए हर संभव प्रयास किया, लेकिन युवाओं को राहुल पर अटूट विश्वास है। उन्होंने कहा कि राहुल ने स्पष्ट कर दिया है कि इस अभियान का उद्देश्य शिक्षा क्षेत्र में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के खिलाफ लड़ना तथा छात्र आंदोलन को मजबूत करना है। अभियान के समन्वयक कुमार राजा ने कहा कि 40 दिन की अवधि में 28 शहरों में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिसमें छात्रों के साथ संवाद, मैराथन दौड़, सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रेस वार्ता जैसे आयोजन शामिल हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत छात्रों की चिंताओं को सरकार तक पहुंचाने के लिए मशाल जुलूस भी निकाले जा रहे हैं।

पंजाब के अहम मुद्दों का समाधान करने में नाकाम रहे प्रधानमंत्री मोदी: आम आदमी पार्टी

पंजाब, 19 जुलाई। आम आदमी पार्टी (आप) ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखा हमला बोला।

पार्टी ने आरोप लगाया कि पंजाब दौरे के दौरान प्रधानमंत्री राज्य के गंभीर और अहम मुद्दों का समाधान करने में पूरी तरह विफल रहे। आप का दावा है कि प्रधानमंत्री ने जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने के बजाय राज्य सरकार के खिलाफ केवल बेबुनियाद आरोप लगाने को तवज्जो दी।

आप की पंजाब इकाई के मीडिया प्रभारी बलतेज पन्नू ने एक वीडियो बयान के जरिए प्रधानमंत्री की चुप्पी पर सवाल उठाए। पन्नू ने कहा कि पंजाब के लोगों को उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री किसान आंदोलन के दौरान किसानों की मौत, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए कानूनी गारंटी की लंबित मांग और केंद्र द्वारा पंजाब के हिस्से की रोकी गई निधि जैसे मुद्दों पर अपनी स्थिति स्पष्ट करेंगे, लेकिन उन्होंने इन विषयों पर कोई जवाब नहीं दिया। एक्ज़िक्यूटिवब्रांच

भाजपा के डबल-इंजन सरकार के नारे पर निशाना साधते हुए पन्नू ने कहा कि पंजाब 2007 से 2017 के बीच भाजपा-शिरोमणि अकाली दल गठबंधन की सरकार का अनुभव पहले ही कर चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के लोग आज भी उस दौर की गलत नीतियों का खामियाजा भुगत रहे हैं।

आप नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा-अकाली दल के शासनकाल के दौरान ही पंजाब में मादक पदार्थ की समस्या और गैंगस्टर संस्कृति को बढ़ावा मिला था। पन्नू ने कहा कि पंजाब की जनता उस पुराने दौर की परेशानियों को अभी तक भूली नहीं है।

नगालैंड : मूसलाधार बारिश के बाद अचानक आई बाढ़, 3 लोगों की मौत, भूस्खलन से भी भारी तबाही

कोहिमा, 19 जुलाई। नगालैंड के मोन जिले में रविवार को मूसलाधार बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन से भारी तबाही हुई और कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बाढ़ और भूस्खलन से कई मकान बह गए, सड़कें अवरुद्ध हो गईं और कई लोग मलबे में दब गए। उन्होंने बताया कि राहत एवं बचाव दल ने खराब मौसम और कठिन भूभाग के बावजूद मलबे में जीवित लोगों की तलाश के दौरान एक महिला और एक पुरुष का शव बरामद किया।

अधिकारियों ने बताया कि कई घंटे तक हुई भारी बारिश के बाद मोन शहर में घरों, सड़कों और सार्वजनिक ढांचे को व्यापक नुकसान पहुंचा है। उन्होंने बताया कि कई इलाके जलमग्न हो गए और भूस्खलन के कारण प्रमुख सड़क मार्ग बंद हो गए। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता, क्योंकि अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन से आए मलबे में अब भी कई लोगों के फंसे होने की सूचना है।

नगालैंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के संयुक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी जॉनी रुआंगमेई ने बताया कि रविवार तड़के से लगातार हो रही बारिश के कारण निचले इलाकों में अचानक बाढ़ और जलभराव हो गया। उन्होंने बताया कि वहीं, पहाड़ी ढलानों पर हुए भूस्खलन से प्रमुख सड़कें अवरुद्ध हो गईं, जिससे यातायात बाधित हो गया। प्रभावित इलाकों के परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है और राहत कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
• Std. XI & XII (Sci.)
• MHT-CET
• NEET
• Polytechnic & Engg
• JEE (Main & Advance)
• Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

संसद का मानसून सत्रः हंगामे नहीं, समाधान का संकल्प बने

-ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र का सबसे बड़ा बल उसकी संसद है। यही वह मंच है जहां देश की आकांक्षाएं, समस्याएं और भविष्य की दिशा तय होती है। संसद केवल कानून बनाने का स्थान नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विमर्श, जवाबदेही और जनभावनाओं की अभिव्यक्ति का सर्वोच्च मंच है। ऐसे में 20 जुलाई से प्रारंभ हो रहा संसद का मानसून सत्र केवल एक संसदीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र की परिपक्वता की नई परीक्षा भी है। देश की जनता की अपेक्षा है कि यह सत्र शोर-शराबे, आरोप-प्रत्यारोप और गतिरोध का नहीं, बल्कि सार्थक संवाद, गंभीर बहस और ठोस निर्णयों का सत्र बने। दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में संसद के दृश्य लोकतांत्रिक गरिमा की अपेक्षा राजनीतिक टकराव के प्रतीक अधिक दिखाई दिए हैं। सदन में नीति और नीयत पर चर्चा कम तथा नारे, तख्तियां, वेल में प्रदर्शन और कार्यवाही बाधित करने की प्रवृत्ति अधिक दिखाई देती रही है। संसद का प्रत्येक मिनट जनता के कर से चलता है, इसलिए उसका अनुत्पादक होना केवल संसदीय विफलता नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संसाधनों का भी दुरुपयोग है। संसद का उद्देश्य सरकार को घेरना अवश्य है, लेकिन केवल हंगामा खड़ा करना नहीं, उसी प्रकार सरकार का दायित्व केवल बहुमत के बल पर निर्णय लेना नहीं, बल्कि विपक्ष की बात सुनना और संवाद के लिए वातावरण बनाना भी है।

इस बार विपक्ष के पास अनेक ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर वह सरकार को घेरने की तैयारी में है। प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, शिक्षा व्यवस्था, महंगाई, बेरोजगारी, विदेश नीति, सीमा सुरक्षा, धार्मिक स्थलों से जुड़े विवाद, मन्दिरों में चोरी, कर व्यवस्था और चुनावी प्रक्रिया जैसे विषय निश्चित रूप से राष्ट्रीय महत्व के हैं। इन पर संसद में गंभीर चर्चा होना लोकतंत्र की आवश्यकता भी है और जनता का अधिकार भी। लेकिन यदि ये विषय केवल राजनीतिक नारेबाजी का माध्यम बनकर रह जाएं, तो उनका उद्देश्य समाप्त हो जाएगा। संसद में उठाया गया प्रत्येक मुद्दा समाधान की दिशा में बढ़े, यही लोकतांत्रिक परिपक्वता का प्रमाण होगा। विपक्ष लोकतंत्र का अनिवार्य स्तंभ है। उसका दायित्व केवल सरकार का विरोध करना नहीं, बल्कि सरकार को बेहतर निर्णय लेने के लिए प्रेरित करना भी है। स्वस्थ लोकतंत्र में विपक्ष सरकार की आंख और कान दोनों होता है। यदि वह केवल विरोध की राजनीति तक सीमित हो जाए, तो उसकी विश्वसनीयता भी प्रभावित होती है। दूसरी ओर सरकार भी यदि विपक्ष के प्रत्येक प्रश्न को राजनीतिक षड्यंत्र मानकर संवाद से बचती है, तो लोकतंत्र का संतुलन कमजोर पड़ता है। इसलिए सत्ता और विपक्ष, दोनों को अपने-अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करना होगा।

मानसून सत्र में यदि शिक्षा व्यवस्था पर चर्चा होती है तो उसका केंद्र छात्रों का भविष्य होना चाहिए, न कि केवल राजनीतिक लाभ। यदि महंगाई पर बहस हो तो उसका उद्देश्य आम नागरिक को राहत देने वाली नीतियों पर विचार होना चाहिए। यदि राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति अथवा सीमा संबंधी विषय उठते हैं तो उनमें दलगत राजनीति के बजाय राष्ट्रीय हित सर्वोपरि होना चाहिए। संसद की बहस तब सार्थक कही जाएगी, जब उससे नीति निर्माण की दिशा निकले और जनता को यह विश्वास हो कि उसकी समस्याओं पर गंभीरता से विचार हो रहा है। लोकतंत्र में बहस और असहमति कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। किंतु जब असहमति का स्थान अवरोध ले लेता है और बहस की जगह बहिष्कार आ जाता है, तब लोकतंत्र की आत्मा आहत होती है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि संसद को चलाना ही लोकतंत्र की वास्तविक कसौटी है। यह विचार आज पहले से अधिक प्रासंगिक है। संसद का ठप होना किसी एक दल की नहीं, बल्कि पूरे लोकतंत्र की हार है।

इस समय देश अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। युवाओं को रोजगार चाहिए, किसानों को बेहतर आय की अपेक्षा है, मध्यम वर्ग महंगाई से परेशान है, शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार की जरूरत है तथा वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों के बीच भारत को अपनी विकास गति बनाए रखनी है। ऐसे समय संसद से जनता समाधान चाहती है, संघर्ष नहीं। यदि पूरा सत्र केवल राजनीतिक टकराव में बीत गया तो सबसे बड़ा नुकसान आम नागरिक का होगा, जिसकी आवाज संसद तक पहुंचनी चाहिए। संसद की गरिमा केवल अध्यक्ष की कुर्सी या ऐतिहासिक भवन से नहीं बनती, बल्कि वहां बैठने वाले जनप्रतिनिधियों के आचरण से बनती है। सांसदों को यह स्मरण रखना चाहिए कि वे केवल अपने दल के प्रतिनिधि नहीं, बल्कि देश की जनता के प्रतिनिधि हैं। संसद में उनका प्रत्येक शब्द और प्रत्येक व्यवहार लोकतांत्रिक संस्कृति का हिस्सा बनता है। इसलिए, व्यक्तिगत आरोपों और कटुता के स्थान पर तथ्यों, तर्कों और नीति आधारित विमर्श को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। भारतीय जनता पार्टी का यह दावा रहा है कि वह विकास, सुशासन और नीति आधारित राजनीति में विश्वास रखती है। यदि ऐसा है तो उसे विपक्ष द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण प्रश्नों का तथ्यात्मक उत्तर देने में संकोच नहीं होना चाहिए। वहीं विपक्ष को भी यह समझना होगा कि केवल नारे लगाने अथवा कार्यवाही बाधित करने से जनता का विश्वास नहीं जीता जा सकता। उसे वैकल्पिक नीतियों, ठोस सुझाव और रचनात्मक आलोचना प्रस्तुत करनी होगी। लोकतंत्र में सरकार और विपक्ष दोनों की सफलता संसद की सफलता से जुड़ी होती है। आज सूचना क्रांति के युग में जनता सब कुछ देख और समझ रही है। संसद में कौन बहस कर रहा है, कौन केवल राजनीतिक प्रदर्शन कर रहा है और कौन जनहित के प्रश्न उठा रहा है, इसका मूल्यांकन मतदाता स्वयं करता है। इसलिए अब केवल प्रतीकात्मक राजनीति से काम नहीं चलेगा। जनप्रतिनिधियों को अपने दायित्वों का निर्वहन अधिक गंभीरता, संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ करना होगा। दार्शनिक एवं भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा था कि संसद राष्ट्र के विवेक की आवाज होती है। यदि यही विवेक शोर में दब जाए तो लोकतंत्र का मार्ग भी धुंधला हो जाता है। इसलिए मानसून सत्र को ऐसे अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए, जहां सत्ता और विपक्ष मिलकर यह संदेश दें कि लोकतंत्र की असली शक्ति संवाद, सहमति और सार्थक बहस में निहित है।

किसी भी आदर्श एवं मजबूत लोकतंत्र की अपेक्षा है विपक्ष का सक्षम एवं सकारात्मक सक्रिय होना। क्योंकि विपक्ष लोकतंत्र की आंख है। लेकिन जब यह आंख केवल अंधविरोध में अंधी हो जाए, तो लोकतंत्र की दृष्टि धुंधली हो जाती है। जनता का दबाव ही विपक्ष को सद्बुद्धि दे सकता है। जब जनता यह स्पष्ट रूप से जताए कि उसे रचनात्मक, नीति आधारित विपक्ष चाहिए न कि नारेबाज तंत्र, तब विपक्ष को भी सुधरना पड़ेगा। विपक्ष को आत्मचिंतन करना चाहिए कि क्या वह जनता की लड़ाई लड़ रहा है या केवल सत्तालोलुपता की राजनीति कर रहा है? मीडिया को चाहिए कि वह हंगामे को महिमामंडित करने के बजाय, नीति और तर्क आधारित बहस को आगे बढ़ाए। संसद में विवाद होना लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन वही विवाद अगर दिशा विहीन हो जाए, तो वह कमजोरी बन जाता है। आज जरूरत है कि संसद की गरिमा को पुनर्स्थापित किया जाए, विपक्ष अपनी भूमिका को गंभीरता से निभाए और सरकार भी अहंकार छोड़कर संवाद को अवसर दे। संसद यदि सचमुच लोकतंत्र का मंदिर है, तो वहां केवल सत्ता की पूजा नहीं, लोकमंगल की बात होनी चाहिए, यही मानसून सत्र से बड़ी अपेक्षा है। इस सत्र में संसद का समय नीति निर्माण में ही लगे, वहां कार्यवाही स्थगित न हो। जनप्रतिनिधि जिन मुद्दों एवं उद्देश्यों को लेकर चुने जाते हैं, वे उन मुद्दों एवं उद्देश्यों पर खरे साबित हो। देश की जनता चाहती है कि संसद संकल्प का मंच बने, संग्राम का नहीं। सरकार विपक्ष की बात सुने, विपक्ष सरकार को जवाबदेह बनाए, लेकिन दोनों का अंतिम लक्ष्य राष्ट्रहित और जनकल्याण ही रहे। यदि इस मानसून सत्र में राजनीतिक कटुता के स्थान पर नीति आधारित विमर्श, आरोपों के स्थान पर उत्तरदायित्व और गतिरोध के स्थान पर समाधान का वातावरण बनता है, तो यह केवल संसदीय सफलता नहीं होगी, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का नया अध्याय भी सिद्ध होगा। संसद तभी वास्तव में लोकतंत्र का मंदिर कहलाएगी, जब उसकी प्रत्येक आवाज देश के अंतिम व्यक्ति की आशाओं और अपेक्षाओं को अभिव्यक्ति दे सके।

शिष्टाचार, सियासत और संदेह के घेरे में वैचारिक निष्ठा

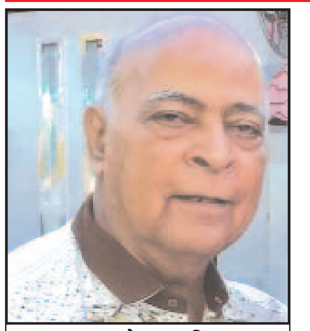

अशोक भाटिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चंडीगढ़ की रैली में पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद मनीष तिवारी से बड़ी गर्मजोशी के साथ मिले। पंजाब में चरणजीत सिंह चन्नी और अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के बीच मची खींचतान के बीच मनीष तिवारी से हाथ मिलाया और बातचीत की। चंडीगढ़ से सांसद तिवारी आधिकारिक प्रोटोकॉल के तहत इस कार्यक्रम में शामिल हुए। हालांकि, प्रधानमंत्री के साथ उनकी बातचीत ने सबका ध्यान खींचा है और राजनीतिक बहस को हवा दी है, साथ ही इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हैं।

यह बैठक इसलिए भी अहम मानी जा रही है क्योंकि मनीष तिवारी ने हाल ही में कांग्रेस की ओर से 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों के लिए संगठनात्मक नियुक्तियों और चुनाव समितियों की घोषणा करने पर अपनी नाराजगी जाहिर की थी। इसमें उन्हें कोई भी जिम्मेदारी नहीं सौंपी गई थी।सोशल मीडिया पर अपनी निराशा व्यक्त करते हुए तिवारी ने संकेत दिया कि पार्टी नेतृत्व में व्याप्त असुरक्षा इस निर्णय के पीछे का कारण हो सकती है। प्रधानमंत्री मोदी से उनकी मुलाकात के बाद से यह अटकलें तेज हो गई हैं कि भारतीय जनता पार्टी वरिष्ठ कांग्रेस नेता से संपर्क साधने का प्रयास कर रही है। जब प्रधानमंत्री ने तिवारी से बात की तब बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा भी वहां मौजूद थे। आज हालत यह है कि आज भारतीय राजनीति में जब भी कोई विपक्षी दल का नेता सत्ता पक्ष के शीर्ष नेतृत्व से सार्वजनिक मंच पर मुस्कुराकर हाथ मिलाता है, तो देश के राजनीतिक गलियारों में अफवाहों का बाजार गर्म होना एक सामान्य परिपाटी बन चुका है। इस मुलाकात और मंच साझा करने की तस्वीरों के सामने आते ही सोशल मीडिया और मुख्यधारा के मीडिया में यह अटकलें तेजी से दौड़ने लगीं कि क्या मनीष तिवारी कांग्रेस का दामन छोड़ भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने जा रहे हैं?

यह पहली बार नहीं है जब मनीष तिवारी के राजनीतिक भविष्य और उनकी पार्टी बदलने को लेकर कयास लगाए गए हों। बीते कुछ वर्षों में, विशेषकर २०२४ के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले भी उनके भाजपा में जाने और पंजाब की लुधियाना सीट से चुनाव लड़ने की अफवाहें उड़ी थीं, जिनका उनके कार्यालय ने खंडन किया था। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इन अटकलों को बार-बार हवा मिलने के पीछे कुछ ठोस कारण रहे हैं। मनीष तिवारी कांग्रेस के उन गिने-चुने नेताओं में से हैं जो वैचारिक रूप से प्रखर हैं और कई राष्ट्रीय सुरक्षा तथा विदेश नीति के मुद्दों पर अपनी ही पार्टी की आधिकारिक लाइन से अलग, राष्ट्र-प्रथम की सोच के साथ राय रखने के लिए जाने जाते हैं। चाहे वह पूर्व में सैन्य सुधारों का मुद्दा रहा हो या अग्निपथ योजना पर उनकी व्यक्तिगत टिप्पणियां, उन्होंने हमेशा एक स्वतंत्र विचारक की छवि पेश की है। इसके अतिरिक्त, हाल के दिनों में पंजाब कांग्रेस के भीतर संगठनात्मक बदलावों और चंडीगढ़ की राजनीति में स्थानीय स्तर पर पार्टी के भीतर उनकी उपेक्षा या असंतोष की खबरें भी छन-छनकर बाहर आती रही हैं। जब किसी पार्टी के भीतर एक कद्दावर और बौद्धिक नेता खुद को हाशिए पर महसूस करता है, तो विरोधी दल के साथ उसकी किसी भी सामान्य मुलाकात को 'डील' या 'पार्टी बदलने की भूमिका' के रूप में देखा जाना स्वाभाविक हो जाता है। प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी गर्मजोशी से भरी बातचीत और मंच पर दिखा सामंजस्य इसी राजनीतिक पृष्ठभूमि के कारण संदेह के चश्मे से देखा गया।

मनीष तिवारी का यह स्पष्टीकरण कि 'विकास की आवश्यकताओं को दलगत राजनीति से ऊपर रखा जाना चाहिए', आधुनिक भारतीय राजनीति के एक बहुत बड़े कड़वे सच की ओर इशारा करता है। आज के दौर में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच संबंध इतने कटु हो चुके हैं कि स्वस्थ संवाद या सार्वजनिक शिष्टाचार की गुंजाइश लगभग समाप्त हो गई है। यदि विपक्ष का कोई नेता प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या किसी केंद्रीय मंत्री के साथ विकासात्मक मुद्दों पर सहयोग करता है या उनकी सराहना करता है, तो उसकी अपनी ही पार्टी के भीतर उसे 'संदिग्ध' मान लिया जाता है।

मनीष तिवारी ने स्वयं को 'ओल्ड स्कूल' यानी पुराने ख्यालों का बताकर देश को उस दौर की याद दिलाई है जब जवाहरलाल नेहरू विपक्ष के अटल बिहारी वाजपेयी को भविष्य का प्रधानमंत्री बताते थे, या जब नरसिम्हा राव ने संयुक्त राष्ट्र में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए विपक्षी नेता वाजपेयी को भेजा था। आज की राजनीति में यह सहिष्णुता और शिष्टाचार गायब हो चुका है। अब राजनीति केवल 'शत्रुता' और 'पूर्ण समर्पण' के दो छोरों के बीच सिमट कर रह गई है। तिवारी का यह कदम एक सांसद के रूप में अपने क्षेत्र के विकास के लिए सरकार के प्रमुख के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने का एक संवैधानिक दायित्व भी था, जिसे राजनीति के अति-ध्रुवीकरण ने एक दलबदल के तमाशे में तब्दील करने की कोशिश की। इस पूरे घटनाक्रम के बहाने हमें भारतीय राजनीति में वैचारिक निष्ठा के गिरते स्तर पर भी बात करनी होगी। पिछले एक दशक में जिस तरह से विभिन्न राज्यों में रातों-रात सरकारें बदली हैं और नेताओं ने अपनी दशकों पुरानी वैचारिक प्रतिबद्धताओं को दरकिनार कर विरोधी दलों की सदस्यता ली है, उसने जनता के मन में नेताओं के प्रति एक गहरा अविश्वास पैदा कर दिया है। आज जनता के लिए यह विश्वास करना कठिन हो गया है कि कोई नेता केवल शिष्टाचार के नाते किसी विरोधी दल के नेता से मिल रहा है। मतदाता मानकर चलता है कि हर मुलाकात के पीछे कोई न कोई गुप्त राजनीतिक सौदा अवश्य छिपा है। मनीष तिवारी ने इस अविश्वास के माहौल को तोड़ने का प्रयास किया है। उनका यह कहना कि हर बात को कांग्रेस बनाम भाजपा के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए, एक परिपक्व लोकतंत्र की निशानी है। एक मजबूत लोकतंत्र वह नहीं है जहां सत्ता और विपक्ष एक-दूसरे का चेहरा भी न देखना चाहें, बल्कि वह है जहां संसद के भीतर तीखी बहस हो, लेकिन संसद के बाहर और देश के विकास के मुद्दों पर दोनों पक्ष एक साथ खड़े दिखाई दें।

भले ही मनीष तिवारी ने भाजपा में शामिल होने की खबरों को पूरी तरह खारिज कर दिया हो, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व के लिए यह घटना एक चेतावनी की तरह है। पार्टी को यह सोचना होगा कि उसके वरिष्ठ, अनुभवी और बौद्धिक नेताओं को लेकर बार-बार इस तरह की अफवाहें क्यों उड़ती हैं? क्या पार्टी के भीतर आंतरिक लोकतंत्र, संवाद और वरिष्ठ नेताओं को उचित सम्मान देने की प्रक्रिया में कोई कमी रह गई है? जब पार्टी अपने प्रखर वक्ताओं और जमीन से जुड़े नेताओं की चिंताओं को दूर नहीं कर पाती, तब ऐसी अफवाहों को फैलने के लिए उपजाऊ जमीन मिल जाती है।

कांग्रेस को समझना होगा कि केवल आक्रामक राजनीति से ही संगठन मजबूत नहीं होता, बल्कि अपने वैचारिक योद्धाओं को सहेज कर रखने और उन्हें यह अहसास कराने से होता है कि संगठन में उनकी उपयोगिता और सम्मान अक्षुण्ण है। मनीष तिवारी जैसे नेता पार्टी की बौद्धिक पूंजी हैं, और उनकी नाराजगी या उनकी उपेक्षा की खबरें पार्टी की साख को कमजोर करती हैं। चंडीगढ़ के मंच से उठी यह सियासी हलचल फिलहाल तो मनीष तिवारी के खंडन के बाद शांत हो गई है, लेकिन इसने देश के राजनीतिक पंडितों को सोचने का एक बड़ा अवसर दिया है। मनीष तिवारी का यह कदम और उनका स्पष्टीकरण भारतीय राजनीति में खोते जा रहे 'मध्यम मार्ग' को पुनर्जीवित करने की एक कोशिश के रूप में देखा जाना चाहिए। राजनीति में मतभेद होने चाहिए, मनभेद नहीं। विकास के एजेंडे पर जब तक देश का राजनीतिक नेतृत्व एकजुट नहीं होगा, तब तक लोकतांत्रिक संस्थाएं और संघीय ढांचा मजबूत नहीं हो सकते।

यह घटना यह भी रेखांकित करती है कि मीडिया और जनता को भी किसी भी सामान्य मुलाकात को दलबदल से जोड़ने की जल्दबाजी से बचना चाहिए। राजनीतिक शिष्टाचार को जीवित रखना किसी भी जीवंत लोकतंत्र के लिए उतना ही जरूरी है, जितना कि एक मजबूत विपक्ष का होना। मनीष तिवारी कांग्रेस में रहकर अपनी वैचारिक लड़ाई लड़ते रहेंगे या भविष्य में कोई नया मोड़ आएगा, यह तो समय ही बताएगा; परंतु वर्तमान में उनका यह स्टैंड स्वागत योग्य है कि देश का विकास और संवैधानिक प्रोटोकॉल, दलगत संकीर्णताओं से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं।

मनीष तिवारी ने देश की मौजूदा राजनीति को टूटी हुई और 'जहरीली' भी बताते हुए दिल्ली को इसका सबसे बड़ा केंद्र कहा है। उनका यह बयान आज के राजनीतिक परिदृश्य की कड़वी सच्चाई है, जहां राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को वैचारिक विरोधी न मानकर 'जानी दुश्मन' की तरह देखा जाने लगा है। ऐसी स्थिति में यदि दो अलग-अलग विपरीत विचारधाराओं के नेता सार्वजनिक मंच पर एक-दूसरे का सम्मान करते हैं या गर्मजोशी से हाथ मिलाते हैं, तो उसे सहज रूप से स्वीकार करने के बजाय संदेह की दृष्टि से देखा जाता है। मनीष तिवारी की प्रधानमंत्री के साथ मुलाकात ने यह साफ कर दिया है कि लोकतांत्रिक मर्यादा और दलबदल की राजनीति के बीच एक महीन रेखा होती है। तिवारी ने स्पष्ट किया है कि वह कांग्रेस के प्रति वफादार हैं और उन्होंने अपना पूरा जीवन इसी पार्टी को दिया है। बहरहाल, यह घटना कांग्रेस नेतृत्व के लिए भी एक सबक है कि वे अपने वरिष्ठ और जमीन से जुड़े नेताओं की चिंताओं और उनके आत्मसम्मान का ध्यान रखें, ताकि शिष्टाचार की किसी भी तस्वीर को विरोधी दल अपनी राजनीतिक बढ़त के रूप में न भुना सकें। विकास के मंचों को राजनीति के अखाड़े से दूर रखना ही भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का पैमाना होना चाहिए।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि का शंखनाद... क्या बदलने वाली है 2027 की चुनावी बिसात?

-सुरेश गांधी

अयोध्या का अध्याय अपने निर्णायक पड़ाव पर पहुंच चुका है, लेकिन अब उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया केंद्र उभरता दिखाई दे रहा है—श्रीकृष्ण जन्मभूमि। वर्षों से अदालत की चौखट पर चल रहा यह विवाद अब केवल कानूनी बहस तक सीमित नहीं रह गया है। संत समाज की सक्रियता, अखाड़ा परिषद द्वारा 9 अगस्त को कारसेवा के आह्वान और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लगातार मुखर होते राजनीतिक तेवरों ने मथुरा को एक बार फिर राष्ट्रीय चर्चा के केंद्र में ला खड़ा किया है।

बीते दो दिनों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सार्वजनिक संबोधनों में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर सीधा राजनीतिक हमला बोलते हुए कहा कि यदि वे स्वयं को भगवान श्रीकृष्ण का वंशज बताते हैं, तो उन्हें श्रीकृष्ण जन्मभूमि के प्रश्न पर भी स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए। योगी ने इसे वोट बैंक की राजनीति से जोड़ते हुए विपक्ष पर तुष्टिकरण का आरोप लगाया। इन बयानों ने यह संकेत अवश्य दिया है कि मथुरा का मुद्दा अब केवल धार्मिक विमर्श नहीं, बल्कि वैचारिक और राजनीतिक बहस का भी केंद्र बन रहा है।

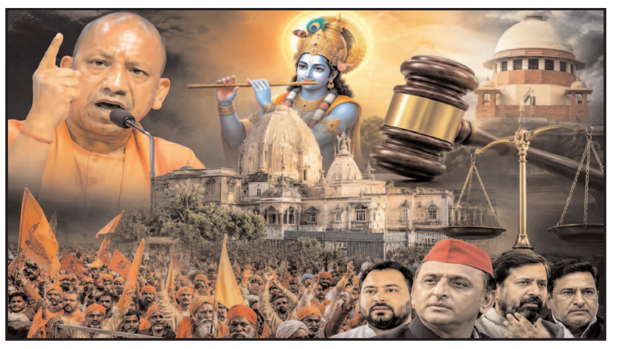

यहीं से उत्तर प्रदेश की राजनीति एक नए मोड़ पर खड़ी दिखाई देती है। 2027 के विधानसभा चुनाव अभी दूर हैं, लेकिन राजनीतिक दलों की रणनीतियां आकार लेने लगी हैं। भाजपा विकास, कानून-व्यवस्था और कल्याणकारी योजनाओं के साथ अपनी वैचारिक राजनीति को भी समानांतर गति देती रही है। ऐसे में श्रीकृष्ण जन्मभूमि का प्रश्न उसके व्यापक राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन सकता है। हालांकि अभी तक इसे चुनावी एजेंडे के रूप में आधिकारिक रूप से घोषित नहीं किया गया है। इसलिए तथ्य यही कहते हैं कि यह मुद्दा 2027 की राजनीति को प्रभावित करने की क्षमता रखता है, लेकिन उसके स्वरूप का अंतिम निर्धारण आने वाले घटनाक्रम करेंगे।

मुख्यमंत्री योगी के तीखे तेवर, अखाड़ा परिषद के 9 अगस्त कारसेवा आह्वान, विपक्ष के सवाल और अदालत में लंबित विवाद के बीच गरमाई उत्तर प्रदेश की सियासत. मतलब साफ है आस्था, संविधान और राजनीति - इन तीनों के संगम पर आज श्रीकृष्ण जन्मभूमि का प्रश्न खड़ा दिखाई देता है। अदालत में विचाराधीन विवाद, संत समाज की मुखर होती आवाज, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लगातार आक्रामक बयान और विपक्ष की राजनीतिक प्रतिक्रिया ने मथुरा को अचानक राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में ला खड़ा किया है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि क्या श्रीकृष्ण जन्मभूमि केवल न्यायिक प्रक्रिया का विषय रहेगी, या फिर 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले उत्तर प्रदेश की राजनीति का सबसे प्रभावशाली वैचारिक मुद्दा बनकर उभरेगी?

दूसरी ओर विपक्ष के सामने भी चुनौती कम नहीं है। समाजवादी पार्टी की राजनीति एक ओर अपने परंपरागत मुस्लिम समर्थन आधार पर टिकी है, वहीं यादव समाज की सांस्कृतिक पहचान भगवान श्रीकृष्ण से भी जुड़ी मानी जाती है। ऐसे में मथुरा का प्रश्न अखिलेश यादव के लिए केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि प्रतीकात्मक चुनौती भी बनता दिखाई देता है। संत समाज लगातार उनसे इस विषय पर स्पष्ट रुख की अपेक्षा जता रहा है।

अखाड़ा परिषद का संदेश भी स्पष्ट है। संत समाज इसे सदियों पुरानी आस्था और सांस्कृतिक अस्मिता का अधूरा अध्याय मानते हुए आगे बढ़ाने की बात कर रहा है। वहीं विपक्ष इसे चुनावी ध्रुवीकरण की रणनीति के रूप में देख रहा है। यही भारतीय लोकतंत्र की जटिलता भी है—जहां एक ही विषय किसी के लिए आस्था का प्रश्न होता है, तो किसी के लिए राजनीति का।

इस पूरे विवाद का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि से जुड़े अनेक मुकदमे अभी न्यायालय में विचाराधीन हैं। विवादित लगभग 13.37 एकड़ परिसर पर अंतिम निर्णय न्यायपालिका को ही करना है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में स्थायी समाधान भी वही होगा, जो संविधान और न्यायिक प्रक्रिया के अनुरूप निकले। मुख्यमंत्री योगी स्वयं भी अनेक अवसरों पर न्यायिक प्रक्रिया के सम्मान की बात दोहरा चुके हैं।

फिर भी राजनीति केवल अदालत के फैसलों की प्रतीक्षा नहीं करती; वह जनभावनाओं की दिशा भी पढ़ती है। इतिहास गवाह है कि अयोध्या का आंदोलन केवल न्यायालय के भीतर नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक विमर्श के समानांतर भी आगे बढ़ा था। यही कारण है कि अब यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठने लगा है कि क्या मथुरा भी उसी तरह व्यापक जनचर्चा का केंद्र बनेगी, या यह केवल वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों का अस्थायी उभार है।

इतिहास, आस्था और राजनीति—तीनों की अपनी-अपनी गति होती है। मथुरा भारतीय सभ्यता की स्मृति है, करोड़ों लोगों की श्रद्धा का केंद्र है और साथ ही एक संवेदनशील न्यायिक विषय भी। ऐसे में किसी भी निष्कर्ष तक पहुंचने से पहले यह स्वीकार करना होगा कि लोकतंत्र में आस्था और संविधान दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। आने वाले महीनों में यह स्पष्ट होगा कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि का प्रश्न न्यायालय की सीमाओं में ही रहेगा या उत्तर प्रदेश की राजनीति के सबसे प्रभावशाली विमर्श के रूप में स्थापित होगा। फिलहाल इतना तय है कि मथुरा ने दस्तक दे दी है। अब निगाहें इस पर हैं कि यह दस्तक इतिहास का नया अध्याय लिखेगी या केवल राजनीति के वर्तमान अध्याय का सबसे मुखर प्रतीक बनकर रह जाएगी।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति अब टाली नहीं जा सकती

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुद्दे पर अपने रुख को और स्पष्ट करते हुए 9 अगस्त को कारसेवा का आह्वान किया है। परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने कहा कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि करोड़ों सनातन श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है और इस विषय का समाधान शीघ्र होना चाहिए। उन्होंने कहा कि संत समाज लंबे समय से न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करता आया है, लेकिन आस्था के इस प्रश्न पर जनजागरण भी आवश्यक है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि केवल भूमि का प्रश्न नहीं, करोड़ों हिंदुओं की आस्था का विषय है। संत समाज संविधान और न्यायालय का सम्मान करता है, लेकिन समाज को जागृत करना भी हमारा दायित्व है। परिषद की ओर से कहा गया है कि प्रस्तावित कारसेवा का उद्देश्य श्रद्धालुओं को संगठित करना और श्रीकृष्ण जन्मभूमि से जुड़े विषय पर जनजागरण करना है। हालांकि इस पूरे विवाद से जुड़े विभिन्न मुकदमे अभी न्यायालय में लंबित हैं और अंतिम निर्णय न्यायिक प्रक्रिया के तहत ही होगा।

रामपुर में ढहता आजम साम्राज्य, क्या 2027 में बचेगी सियासी विरासत?

उत्तर प्रदेश की राजनीति में ऐसे नेताओं की सूची बहुत लंबी नहीं है, जिनके नाम के साथ किसी जिले की पहचान जुड़ गई हो। रामपुर का नाम लेते ही दशकों तक जिस चेहरे की तस्वीर सबसे पहले उभरती थी, वह आजम खान थे। 1980 के दशक से लेकर 2022 तक रामपुर की राजनीति का कोई भी बड़ा फैसला उनके प्रभाव से अछूता नहीं माना जाता था। नौ बार विधायक, एक बार सांसद और उत्तर प्रदेश सरकार में कई बार कैबिनेट मंत्री रहे आजम खान का राजनीतिक कद इतना बड़ा था कि विरोधी भी उनकी संगठन क्षमता और जनाधार को स्वीकार करते थे। लेकिन 2026 आते-आते हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। आजम खान जेल में हैं, उनके खिलाफ दर्जनों नहीं बल्कि 90 से अधिक मुकदमे अदालतों में लंबित हैं, उनका परिवार कानूनी लड़ाइयों में उलझा है और उनका सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट मौलाना मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी अब प्रशासनिक कार्रवाई के सबसे बड़े निशाने पर है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले रामपुर में आजम खान का राजनीतिक अध्याय सचमुच अपने अंतिम दौर में पहुंच चुका है? आजम खान का राजनीतिक सफर किसी सामान्य नेता की तरह नहीं रहा। वर्ष 1980 में पहली बार उत्तर प्रदेश विधानसभा पहुंचे आजम खान ने अगले चार दशकों में रामपुर को समाजवादी राजनीति का सबसे मजबूत गढ़ बना दिया। मुलायम सिंह यादव के सबसे भरोसेमंद नेताओं में उनकी गिनती होती थी। 2012 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने के बाद उन्हें नगर विकास, संसदीय कार्य, अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ और हज जैसे कई अहम विभागों की जिम्मेदारी मिली। उस दौर में उनकी राजनीतिक ताकत का अंदाजा इसी बात से लगाया जाता था कि प्रशासनिक अधिकारियों से लेकर पार्टी संगठन तक उनके प्रभाव को नजरअंदाज करना आसान नहीं था।

2014 में उनके फार्महाउस से सात भैंसों की चोरी का मामला पूरे देश में चर्चा का विषय बन गया था। पुलिस की कई टीमें, क्राइम ब्रांच और खोजी कुत्तों को लगाया गया। कुछ ही घंटों में भैंसें बरामद हो गईं। यह घटना विपक्ष के लिए सत्ता के दुरुपयोग का प्रतीक बनी, जबकि समर्थकों ने इसे प्रशासन की तत्परता बताया। लेकिन वही आजम खान कुछ वर्षों बाद खुद कानून की सबसे बड़ी कार्रवाई का सामना करेंगे, शायद उस समय किसी ने नहीं सोचा था। 2017 में उत्तर प्रदेश में सत्ता बदलने के बाद आजम खान की राजनीतिक मुश्किलें तेजी से बढ़ीं। योगी आदित्यनाथ सरकार बनने के बाद उनके खिलाफ एक के बाद एक मुकदमे दर्ज होने लगे। सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार उनके और परिवार के खिलाफ करीब 90 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हुए। इनमें सरकारी जमीन पर कब्जा, किसानों की भूमि अधिग्रहण, शत्रु संपत्ति, वक्फ संपत्ति, भड़काऊ भाषण, फर्जी दस्तावेज, सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग और बेटे अब्दुल्ला आजम के दो जन्म प्रमाण पत्र और पासपोर्ट से जुड़े मामले शामिल हैं। कई मामलों में अदालत ने उन्हें दोषी ठहराया, जिसके बाद उनकी विधानसभा सदस्यता चली गई और चुनाव लड़ने की पात्रता पर भी असर पड़ा। आज भी अनेक मुकदमे विभिन्न अदालतों में विचाराधीन हैं। इन सभी विवादों के बीच सबसे ज्यादा चर्चा जौहर यूनिवर्सिटी को लेकर हो रही है। लगभग 250 एकड़ क्षेत्र में फैले इस विश्वविद्यालय को आजम खान अपनी सबसे बड़ी राजनीतिक और सामाजिक विरासत बताते रहे हैं। विश्वविद्यालय में मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, शिक्षा संकाय, पुस्तकालय और कई शैक्षणिक भवन बनाए गए। समर्थकों का दावा रहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अल्पसंख्यक छात्रों के लिए यह संस्थान शिक्षा का बड़ा केंद्र बना, जबकि विरोधियों का आरोप था कि इसके निर्माण के दौरान किसानों और

-अजय कुमार

भूमिधारकों की जमीनों का अधिग्रहण नियमों के अनुरूप नहीं हुआ।

बीते कुछ वर्षों में यही विश्वविद्यालय कानूनी विवादों का केंद्र बन गया। पहले भूमि अधिग्रहण और शत्रु संपत्ति के मामलों की जांच हुई। इसके बाद राजस्व विभाग ने कई हिस्सों की पैमाइश कराई। अब रामपुर विकास प्राधिकरण ने विश्वविद्यालय परिसर के 40 भवनों में से 38 भवनों को बिना स्वीकृत मानचित्र के निर्मित बताते हुए ध्वस्तीकरण का आदेश जारी किया है। प्रशासन का दावा है कि केवल दो भवनों के नक्शे विधिवत स्वीकृत मिले हैं, जबकि बाकी निर्माण विकास प्राधिकरण के नियमों के अनुरूप नहीं हैं। यही नहीं, समाजवादी सरकार के दौरान लगभग 17 करोड़ रुपये की लागत से बनी करीब 3.5 किलोमीटर लंबी चार लेन सड़क, जिसे बाद में विश्वविद्यालय परिसर का हिस्सा बना दिया गया था, उसे भी प्रशासन ने दोबारा आम जनता के लिए खोल दिया। इन कार्रवाइयों ने यह संकेत दे दिया कि सरकार अब जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े मामलों में पीछे हटने के मूड में नहीं है। यहीं से राजनीतिक बहस भी तेज हो गई। समाजवादी पार्टी का आरोप है कि भाजपा सरकार कानून के नाम पर राजनीतिक प्रतिशोध ले रही है। पार्टी का कहना है कि शिक्षा संस्थान को निशाना बनाना लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अच्छा संदेश नहीं है। दूसरी तरफ भाजपा का तर्क है कि कानून सबके लिए समान है और यदि किसी ने नियमों का उल्लंघन किया है तो कार्रवाई होना स्वाभाविक है। सरकार यह भी कह रही है कि किसानों की जमीन और सरकारी संपत्ति पर अवैध कब्जे की शिकायतें वर्षों से थीं और अब उन्हीं मामलों में कार्रवाई हो रही है।

रामपुर की राजनीति को समझने के लिए वहां का सामाजिक समीकरण भी महत्वपूर्ण है। जिले में मुस्लिम मतदाताओं की हिस्सेदारी लगभग 50 प्रतिशत के आसपास मानी जाती है। इसके अलावा दलित, पिछड़ा और सवर्ण मतदाता भी चुनावी नतीजों को प्रभावित करते हैं। लंबे समय तक मुस्लिम-यादव समीकरण ने समाजवादी पार्टी को मजबूत बनाए रखा, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में तस्वीर बदलती दिखाई दी। 2022 के विधानसभा चुनाव में आजम खान जेल में रहते हुए भी जीत गए, लेकिन उसके बाद उनकी सदस्यता समाप्त हुई और उपचुनाव में भाजपा ने सीट अपने नाम कर ली। इससे यह संदेश गया कि केवल सहानुभूति की राजनीति अब पहले जितनी प्रभावी नहीं रही। लोकसभा चुनाव 2024 में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस गठबंधन ने उत्तर प्रदेश में अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन रामपुर में संगठनात्मक कमजोरी साफ दिखाई दी। आजम खान के पुराने सहयोगियों का एक बड़ा वर्ग सक्रिय राजनीति से दूर हो चुका है। कई स्थानीय नेता या तो निष्क्रिय हैं या दूसरे राजनीतिक विकल्प तलाश रहे हैं। यही कारण है कि 2027 के चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी के सामने सबसे बड़ी चुनौती नया स्थानीय नेतृत्व तैयार करने की होगी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आजम खान की व्यक्तिगत लोकप्रियता और समाजवादी पार्टी का संगठन अब दो अलग-अलग बातें बन चुकी हैं। मुस्लिम समाज के एक हिस्से में उनके प्रति सहानुभूति आज भी मौजूद है, लेकिन चुनाव केवल सहानुभूति से नहीं जीते जाते। बूथ प्रबंधन, स्थानीय नेतृत्व, गठबंधन, उम्मीदवार और सामाजिक समीकरण भी उतने ही महत्वपूर्ण होते हैं। यदि आजम खान लंबे समय तक सक्रिय राजनीति से बाहर रहते हैं तो रामपुर में सपा को नई रणनीति बनानी ही पड़ेगी। भाजपा की रणनीति भी स्पष्ट दिखाई देती है। पार्टी कानून-व्यवस्था, अवैध कब्जों के खिलाफ कार्रवाई और भ्रष्टाचार विरोधी छवि को चुनावी मुद्दा बनाए रखना चाहती है। दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी इसे राजनीतिक प्रतिशोध और अल्पसंख्यक उत्पीड़न के नैरेटिव से जोड़कर पेश करेगी। यानी 2027 का चुनाव केवल विकास बनाम विकास नहीं होगा, बल्कि कानून बनाम राजनीतिक प्रतिशोध की बहस भी उसमें प्रमुख रहेगी। हालांकि अंतिम फैसला अदालतों को करना है। आजम खान के कई मामलों में अभी न्यायिक प्रक्रिया जारी है और कानूनी लड़ाई खत्म नहीं हुई है। इसलिए उनकी राजनीतिक कहानी पर अंतिम विराम लगाना जल्दबाजी होगी। लेकिन इतना तय है कि जिस रामपुर में कभी आजम खान की अनुमति के बिना राजनीतिक पत्ता तक नहीं हिलता था, उसी रामपुर में आज उनकी सबसे बड़ी विरासत प्रशासनिक कार्रवाई के घेरे में खड़ी है। यह बदलाव केवल एक नेता की कहानी नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की बदलती राजनीति, बदलते सत्ता संतुलन और कानून तथा राजनीति के टकराव की भी कहानी है। 2027 का चुनाव तय करेगा कि यह अध्याय यहीं समाप्त होगा या आजम खान का नाम एक बार फिर रामपुर की राजनीति में किसी नए रूप में लौटेगा।

नागरी संरक्षण दल के स्वयंसेवकों को प्रमाणपत्र वितरित

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र शासन के गृह (विशेष) विभाग के अंतर्गत उपनियंत्रक नागरी संरक्षण, जिला पालघर की ओर से बोईसर में नागरी संरक्षण दल के स्वयंसेवकों के लिए प्रमाणपत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम उपनियंत्रक नागरी संरक्षण, जिला पालघर काशीनाथ आर. कुरकुटे के मार्गदर्शन तथा बोईसर विधानसभा क्षेत्र के विभागीय क्षेत्रप्रमुख नरेश अनंत म्हस्के के नेतृत्व में संपन्न हुआ। जिला पालघर नागरी संरक्षण दल द्वारा आयोजित आपदा प्रबंधन मूलभूत प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण एवं विकास प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले स्वयंसेवकों को जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड़ के हस्ताक्षरयुक्त प्रमाणपत्र उपनियंत्रक कार्यालय के माध्यम से वितरित किये गये। कार्यक्रम की अध्यक्षता एडवोकेट निखिल राऊत ने की, जबकि एडवोकेट परेश भोणे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने स्वयंसेवकों को प्रमाणपत्र प्रदान करते हुए उनके कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर वक्ताओं ने स्वयंसेवकों से आपदा प्रबंधन, नागरिक सुरक्षा, जनसुरक्षा एवं सामाजिक उत्तरदायित्व से जुड़े कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा हर परिस्थिति में समाज सेवा के लिए तत्पर रहने का आह्वान किया। समारोह में दुर्घटना नियंत्रण अधिकारी प्रिया पाटील, सुषमा जाधव, नागरी संरक्षण दल के अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

22 जुलाई को मुख्यमंत्री के जन्मदिवस पर दिव्यांगों के लिए कृत्रिम अंग वितरण व जांच शिविर का आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में राज्यभर में 22 व 23 जुलाई को आयोजित होने वाले छत्रपति शिवाजी महाराज महसूल समाधान शिविर अभियान के तहत पालघर जिले में दिव्यांगजनों के लिए विशेष कृत्रिम अंग वितरण एवं जांच शिविर का आयोजन किया जायेगा।यह जिला स्तरीय शिविर 22 जुलाई 2026 को जननायक बिरसा मुंडा सभागार, जिला परिषद पालघर में आयोजित होगा। दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग, जिला परिषद पालघर एवं शिव शक्ति सेवा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में पात्र दिव्यांग लाभार्थियों की विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा जांच व माप लिया जायेगा। इसके आधार पर कृत्रिम अंग व सहायक उपकरण तैयार कर 15 से 20 दिनों के भीतर लाभार्थियों को वितरित किये जायेंगे। शिविर में बीके (बिलो नी) कृत्रिम पैर, एके (अबव नी) कृत्रिम पैर, केएएफओ, बीई (बिलो एल्बो) कृत्रिम हाथ, एई (अबव एल्बो) कृत्रिम हाथ तथा एएफओ सहित विभिन्न प्रकार के कृत्रिम अंग उपलब्ध कराये जायेंगे। शिविर में शामिल होने के लिए लाभार्थियों को आधार कार्ड, पैन कार्ड, दिव्यांगता प्रमाणपत्र, पासपोर्ट आकार का फोटो तथा आवश्यकतानुसार अन्य पहचान पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा। अभियान के अंतर्गत दिव्यांगजनों को विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ भी उपलब्ध कराया जायेगा। इसमें डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट, सामाजिक न्याय विभाग की योजनाओं के लिए आधार प्रमाणीकरण, यूडीआईडी लिंकिंग तथा दिव्यांगों से संबंधित लंबित मामलों के त्वरित निराकरण की सुविधा भी प्रदान की जायेगी। जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड़ के मार्गदर्शन तथा जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर का उद्देश्य जिले के प्रत्येक पात्र दिव्यांग तक सरकारी सुविधाओं का लाभ पहुंचाना है। शिव शक्ति सेवा फाउंडेशन के संस्थापक राजेश दुबे, अध्यक्षा रेखा राज दुबे, उपाध्यक्ष राजेश तिवारी एवं सचिव सत्यम दुबे के सहयोग से आयोजित इस शिविर में अधिक से अधिक दिव्यांगजनों से भाग लेकर आवश्यक कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण प्राप्त करें।

नवितास प्लैनेट को नया सोलर ईपीसी प्रोजेक्ट मिला

मुंबई। नवितास सोलर ने घोषणा की है कि उसकी इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) इकाई नवितास प्लैनेट को जाम्बिया के सेरेन्जे प्रांत में 54 मेगावाट क्षमता वाली यूटिलिटी-स्केल सोलर पावर परियोजना विकसित करने के लिए 2 करोड़ डॉलर का प्रोजेक्ट मिला है। यह नवितास सोलर की वैश्विक विस्तार रणनीति का अहम पड़ाव है और इससे अफ्रीका के तेजी से उभरते नवीकरणीय ऊर्जा बाजार में कंपनी की स्थिति और मजबूत होगी। ईपीसी अनुबंध के तहत नवितास प्लैनेट इंजीनियरिंग, उपकरणों की खरीद, निर्माण और सोलर पावर प्लांट की कमीशनिंग सहित पूरी परियोजना का क्रियान्वयन करेगी। परियोजना में नवितास सोलर के उच्च दक्षता वाले बाइफेशियल टॉपकॉन मॉड्यूल के साथ वैश्विक कंपनियों के अन्य प्रमुख उपकरणों का भी इस्तेमाल किया जाएगा। कंपनी को इस परियोजना के सात से आठ महीने के भीतर पूरी होकर चालू होने की उम्मीद है। नवितास सोलर के निदेशक सुनय शाह ने कहा, यह परियोजना नवितास प्लैनेट की अंतरराष्ट्रीय विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। साथ ही, यह भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की विशेषज्ञता की वैश्विक स्तर पर बढ़ती मांग को भी दर्शाती है। जाम्बिया अपनी ऊर्जा व्यवस्था में विविधता लाने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है, जिससे बड़े सोलर प्रोजेक्ट्स के लिए नए अवसर पैदा हो रहे हैं। इस परियोजना के माध्यम से हमारा लक्ष्य विश्वसनीय और उच्च गुणवत्ता वाला स्वच्छ ऊर्जा ढांचा विकसित करने के साथ अफ्रीका में दीर्घकालिक साझेदारियां स्थापित करना है, जो अफ्रीका के सस्टेनेबल एनर्जी के भविष्य को मजबूती देंगी।

आईडीबीआई लिमिटेड - वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के वित्तीय नतीजे

मुंबई/पटना। आईडीबीआई बैंक लिमिटेड के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की आज मुंबई में बैठक हुई और उन्होंने 30 जून, 2026 को समाप्त तिमाही के वित्तीय नतीजों को मंजूरी दी। बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में 2,115 करोड़ का शुद्ध फायदा दर्ज किया है, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में यह 2,007 करोड़ था। सालाना 5% और तिमाही-दर-तिमाही 9% की बढ़ोतरी हुई है। ऑपरेटिंग प्रॉफिट 2,168 करोड़ रहा। डिपॉजिट की लागत वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के 4.84% से घटकर वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में 4.59% हो गई है। सालाना 25 बीपीएस और तिमाही में 1 बीपीएस की कमी आई है। फंड की लागत 2025-26 की पहली तिमाही के 4.98% से घटकर वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में 4.68% हो गई। सालाना 30 बीपीएस और तिमाही में 3 बीपीएस की कमी। वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में 3166 करोड़ रुपये के मुकाबले वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में नेट इंटरेस्ट इनकम (ब्याज से हुई कमाई में से ब्याज पर हुए खर्च को घटाकर) बढ़कर 3,486 करोड़ रुपये हो गई।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

भोर भ्रमण परिवार ने किया लल्लन तिवारी का सम्मान

भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर शहर में रहने वाले प्रबुद्ध उत्तर भारतीयों के संगठन भोर भ्रमण परिवार द्वारा आज संस्था के संरक्षक तथा प्रख्यात समाजसेवी शिक्षा सम्राट लल्लन तिवारी के जन्मदिन (20 जुलाई) के एक दिन पूर्व जेसल पार्क स्थित उनके आवास राहुल बंगला में भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सुबह 5 बजे से प्रारंभ समारोह पूरी तरह से गीत और संगीत से सराबोर रहा। कजरी से लेकर सोहर तक की अनेक धुनों पर कुछ लोग नृत्य करते भी नजर आए। सबसे पहले माता कृपालु उपाध्याय ने गीत के माध्यम से पंडित लल्लन तिवारी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। इसके बाद प्रोफेसर विजयनाथ मिश्रा, भाजपा युवा नेता बृजेश तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, परिवहन समिति के सभापति एड. राजकुमार मिश्रा, पंडित उमाशंकर तिवारी, डॉ उमेश कुमार शुक्ला, मृत्युंजय सिंह दीपू, उपेंद्र पांडे, मनोज मिश्रा समेत अनेक लोगों ने लल्लन तिवारी के कार्यों की सराहना करते हुए अपनी बातें रखी। कार्यक्रम का सुंदर संचालन भारत सरकार के नोटरी एडवोकेट आर जे मिश्रा ने किया। लल्लन तिवारी ने प्रामाणिक भोर भ्रमण परिवार का भोर भ्रमण परिवार में विलय करते हुए पंडित उमाशंकर तिवारी को सर्वसम्मति से आगे के लिए भी अध्यक्ष घोषित कर उनका माल्यार्पण किया। भोर भ्रमण परिवार द्वारा जिस उत्साहित भावना और श्रद्धा के साथ लल्लन तिवारी का सम्मान किया गया उसे देखकर वे कुछ क्षणों के लिए भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि अपने परिवार का सम्मान सबसे बड़ा सम्मान होता है। इस अवसर पर उपस्थित लोगों में वरिष्ठ नगरसेवक तथा सभापति मदन सिंह, परसोत्तम पांडे, अभय राज पांडे ,डॉ राकेश मिश्रा, प्रभाकर मिश्रा, अदालत पांडे, प्रोफेसर अनिल पांडे, प्रोफेसर बीआर दुबे, प्रोफेसर हरी प्रसाद पाठक, पत्रकार अरुण उपाध्याय, पत्रकार रविंद्र उपाध्याय, युवा समाजसेवी पप्पू सिंह, समाजसेवी अरुण तिवारी, संतोष मिश्रा, शिव पांडे, पूर्व जिला पंचायत सदस्य संदीप सिंह, श्रीकांत उपाध्याय, उपेंद्र सिंह, सुशील तिवारी, डॉ मयूर दुबे, समाजसेवी संजय दुबे, राकेश मणि त्रिपाठी, लल्लू तिवारी, राजेश तिवारी, श्रीराम दुबे, इंद्रभान सिंह, आर पी सिंह, वीरेंद्र पाठक, आनंद पाठक, अजीत शुक्ला, दिनेश दुबे समेत अनेक प्रतिष्ठित लोग उपस्थित रहे।

NEET-UG 2026: सफल विद्यार्थियों को परवेज खान ने दी बधाई, उज्ज्वल भविष्य किये कामना

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं समाजसेवी परवेज खान (पीके) ने NEET-UG 2026 में सफलता प्राप्त करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विशेष रूप से शेख अशरा कफील अहमद को 554 अंक और 98.27 प्रतिशताइल हासिल करने पर बधाई देते हुए इसे पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बताया।

परवेज खान ने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता उनकी मेहनत, अभिभावकों के सहयोग और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि सफल छात्र-छात्राओं को प्रतिष्ठित सरकारी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश मिलेगा और वे भविष्य में समाज व मानवता की सेवा करेंगे।

उन्होंने इस बार सफल नहीं हो सके विद्यार्थियों का भी उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि असफलता अंत नहीं, बल्कि अधिक मेहनत और बेहतर तैयारी के साथ आगे बढ़ने का अवसर है। अंत में उन्होंने सफल विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

स्वास्थ्यकर्मियों से मारपीट पर नहीं चलेगा रौब, बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश पर रमेश म्हात्रे ने किया सरेंडर

मुंबई। डोंबिवली के शास्त्री नगर अस्पताल में मारपीट के मामले में आरोपी शिवसेना कॉर्पोरेटर रमेश म्हात्रे ने बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश के बाद रविवार को पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। हाई कोर्ट ने म्हात्रे की जमानत रद्द कर दी थी और उन्हें शाम 5 बजे तक सरेंडर करने का निर्देश दिया था। बाद में वे भारी पुलिस सुरक्षा के बीच कल्याण कोर्ट में पेश हुए, जहाँ आगे की कानूनी कार्यवाही चल रही है।

इससे पहले शनिवार को बॉम्बे हाई कोर्ट ने मारपीट के मामले में कॉर्पोरेटर की जमानत रद्द कर दी थी; उन पर ठाणे के एक सिविक अस्पताल के डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ के साथ मारपीट करने का आरोप है। हाई कोर्ट ने म्हात्रे को 19 जुलाई को शाम 5 बजे तक सरेंडर करने का निर्देश दिया और कहा कि मामले की अगली सुनवाई 22 जुलाई को होगी। इस मामले में एक और अहम कदम उठाते हुए पुलिस ने एक और संदिग्ध के खिलाफ कार्रवाई की है। सूत्रों के मुताबिक, मामले की पांचवीं आरोपी साधना करंडे को गिरफ्तार कर लिया गया है। साधना करंडे, प्रियंका उधमले की मां हैं, जिनका शास्त्रीनगर अस्पताल में इलाज चल रहा था; उन्हें भी मारपीट के मामले में आरोपी बनाया गया था। घटना के समय अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज में देखे जाने के बाद उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। इससे पहले पुलिस ने उन्हें नोटिस जारी किया था लेकिन गिरफ्तार नहीं किया था क्योंकि उनकी बेटी का अस्पताल में इलाज चल रहा था। हालांकि, बॉम्बे हाई कोर्ट द्वारा मामले पर सख्त रुख अपनाने के बाद, पुलिस ने कल रात करंडे को उनके घर से हिरासत में ले लिया।

रामनिरंजन झुनझुनवाला कॉलेज में 2024-25 बैच के स्नातकोत्तर छात्रों का पदवी प्रमाणपत्र वितरण समारोह संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। हिंदी विद्या प्रचार समिति के रामनिरंजन झुनझुनवाला कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स (अधिकार प्रदत्त स्वायत्त) में शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए पदवी प्रमाणपत्र वितरण समारोह शनिवार, 18 जुलाई 2026 को साबू हॉल में गरिमापूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों का उत्साहपूर्वक उत्सव मनाया। समारोह के मुख्य अतिथि आर. आर. केबल लिमिटेड, मुंबई के प्रबंध निदेशक महेंद्र कुमार काबरा थे, जबकि हिंदी विद्या प्रचार समिति के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में समिति के निदेशक डॉ. उषा मुकुंदन, प्राचार्य डॉ. हिमांशु दावड़ा, उप-प्राचार्य एवं उप-परीक्षा नियंत्रक कैप्टन प्रो. प्रवीण नायक, उप-प्राचार्य डॉ. स्नेहा देउस्कर तथा डॉ. किरण कोलवणकर सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य डॉ. हिमांशु दावड़ा के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने सभी अतिथियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों का स्वागत करते हुए विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। अपने अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. राजेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों से कहा कि मेहनत का कोई विकल्प नहीं होता। आपकी सबसे बड़ी प्रतिस्पर्धा किसी दूसरे से नहीं, बल्कि स्वयं से होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर सीखने और उत्कृष्टता की ओर अग्रसर रहने का संदेश दिया।

इसके बाद उप-परीक्षा नियंत्रक प्रो. प्रवीण नायक ने शैक्षणिक वर्ष 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि महेंद्र कुमार काबरा ने मेधावी स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को डिग्री प्रमाणपत्र प्रदान किए और उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की।

अपने प्रेरणादायक संबोधन में महेंद्र कुमार काबरा ने वसुधैव कुटुम्बकम और सर्वे भवन्तु सुखिनः के आदर्शों पर चलते हुए समाज के प्रति उत्तरदायित्व निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सफलता केवल मेहनत, अनुशासन और समय का सदुपयोग करने वालों को ही मिलती है तथा बहानेबाजी और टालमटोल से कोई भी व्यक्ति सफल नहीं हो सकता।

एड. अवनीश तीर्थराज सिंह का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

मुंबई। समाजसेवी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता एड. अवनीश तीर्थराज सिंह का जन्मदिन जोगेश्वरी पश्चिम स्थित लंदन पैलेस बैंक्वेट हॉल में हर्षोल्लास और भव्यता के साथ मनाया गया। समारोह में राजनीतिक, सामाजिक, पत्रकारिता एवं फिल्म जगत से जुड़े अनेक गणमान्य लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

समारोह में दैनिक मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस खान एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ चैरिटेबल ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय एल दुबे ने एड. अवनीश तीर्थराज सिंह को पुष्पगुच्छ भेंट कर जन्मदिन की बधाई दी तथा उनके सामाजिक, कानूनी और जनहित से जुड़े कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में मुंबई कांग्रेस के सचिव निजामुद्दीन राईन ने एड. अवनीश तीर्थराज सिंह को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके स्वस्थ, सुखद एवं सफल जीवन की कामना की। इस अवसर पर बॉलीवुड अभिनेत्री जारा खान भी उपस्थित रहीं और उन्होंने भी उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस अवसर पर मीरा-भायंदर के नगरसेवक विक्रम प्रताप सिंह, मुंबई कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में शुभचिंतक उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने एड. अवनीश तीर्थराज सिंह के उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य और निरंतर जनसेवा के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं। पूरे समारोह का माहौल उत्साह, आत्मीयता और सौहार्द से भरपूर रहा। केक काटकर जन्मदिन का जश्न मनाया गया, वहीं उपस्थित अतिथियों ने उन्हें पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंत में एड. अवनीश तीर्थराज सिंह ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए उनके स्नेह और शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

वेलमोरा स्पा पर एमबीवीवी पुलिस की बड़ी कार्रवाई

6 युवतियां रेस्क्यू, दो मैनेजर गिरफ्तार; चालक और तीन संचालक फरार

तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड स्थित वेलमोरा स्पा सेंटर पर एमबीवीवी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए छह युवतियों को रेस्क्यू किया है। पुलिस ने मौके से स्पा के दो मैनेजरों को गिरफ्तार किया, जबकि स्पा का चालक और तीन संचालक फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस ने फरार आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। यह कार्रवाई क्राइम डीसीपी संदीप डोईफोडे के मार्गदर्शन में तथा क्राइम एसीपी बांगर की टीम द्वारा की गई। पुलिस की छापेमारी के बाद स्पा सेंटर में चल रही कथित अवैध गतिविधियों को लेकर जांच तेज कर दी गई है। पहले भी पीटा एक्ट के तहत हो चुकी है कार्रवाई सूत्रों के अनुसार, इसके पहले रॉयल स्काय स्पा सेंटर के नाम से चला रहा था जिस्मफरोशी का कारोबार पुलिस कार्रवाई के बाद फिर उसका नाम बदलकर वेलमोरा स्पा सेंटर रखा गया। इसके बावजूद यदि यहां दोबारा अवैध गतिविधियां संचालित होने की बात सामने आती है, तो यह गंभीर सवाल खड़े करता है कि संबंधित विभागों द्वारा पूर्व कार्रवाई के बाद स्पा सेंटर पर किस प्रकार की निगरानी रखी गई। क्या वेलमोरा के अवैध कमरों और केबिनों पर होगी तोड़क कार्रवाई? अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या मीरा-भायंदर महानगरपालिका वेलमोरा स्पा सेंटर में बने कथित अवैध कमरों और केबिनों की जांच कर उन पर तोड़क कार्रवाई करेगी? गौरतलब है कि इससे पहले निपक्ष स्पा सेंटर पर पुलिस द्वारा पीटा एक्ट के तहत कार्रवाई किए जाने के बाद मीरा-भायंदर महानगरपालिका ने वहां बने अवैध कमरों पर तोड़क कार्रवाई की थी। ऐसे में अब वेलमोरा स्पा सेंटर को लेकर भी नागरिकों की नजर मीरा-भायंदर महानगरपालिका की संभावित कार्रवाई पर टिकी हुई है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

विप्र फाउंडेशन बोईसर ने जरूरतमंद विद्यार्थियों को किया नोटबुक वितरित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय विप्र फाउंडेशन बोईसर द्वारा बोईसर शहर (पूर्व) स्थित धनानी नगर के आशादीप हाई स्कूल में अध्ययनरत जरूरतमंद विद्यार्थियों को बड़ी संख्या में नोटबुक वितरित की गईं। इस सेवा कार्य का आयोजन आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को शिक्षा के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने तथा उन्हें पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करने हेतु किया गया।

बताएं कि आशादीप हाई स्कूल लंबे समय से जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को निःशुल्क शिक्षा प्रदान कर रहा है। इसी क्रम में विप्र फाउंडेशन बोईसर ने विद्यालय के विद्यार्थियों को नोटबुक उपलब्ध कराकर उनके शैक्षणिक सफर को मजबूती देने का सराहनीय प्रयास किया। कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में सामाजिक सहयोग को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया। विप्र फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने कहा कि समाज के सहयोग से जरूरतमंद विद्यार्थियों तक शैक्षणिक सामग्री पहुंचाने का यह अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगा।

कार्यक्रम के अंत में संस्था की ओर से उपस्थित अभिभावकों, सहयोगियों और शुभचिंतकों का आभार व्यक्त किया गया। विद्यालय प्रबंधन ने भी विप्र फाउंडेशन के इस सराहनीय सहयोग के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि ऐसे प्रयास जरूरतमंद बच्चों के आत्मविश्वास और शिक्षा के प्रति उत्साह को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर विप्र फाउंडेशन के प्रमुख ब्रह्मदेव चौबे, मार्गदर्शक रविकांत पाण्डेय, विवेक चौबे, रामप्रसाद पाण्डेय, अखिलेश पाण्डेय, सोनू पाण्डेय तथा विद्यालय के प्रधानाचार्य हरिओम शरण मिश्र सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

भिवंडी में संघ के शताब्दी वर्ष पर प्रमुख जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित

आरएसएस समाज में चरित्रवान नागरिक तैयार करने का कार्य कर रहा है : सुहास हिरेमठ

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) समाज में निस्वार्थ भाव से चरित्रवान एवं संस्कारवान नागरिकों के निर्माण का कार्य कर रहा है। यह विचार आरएसएस के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य सुहास हिरेमठ ने संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में रविवार को भिवंडी में आयोजित प्रमुख जनसंवाद कार्यक्रम में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि समाज को तोड़ने वाली शक्तियों के बीच संघ समाज को जोड़ने का कार्य कर रहा है। विद्यार्थियों में बचपन से ही नैतिक संस्कार विकसित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि रामायण और महाभारत जैसे ग्रंथों के माध्यम से केवल हिंदू ही नहीं, अखिल ईसाई और मुस्लिम विद्यार्थियों को भी चरित्र निर्माण की शिक्षा दी जानी चाहिए। कार्यक्रम में अजय मुडपे ने रुपंच परिवर्तनर विषय पर मार्गदर्शन देते हुए कहा कि परिवार संस्था का संरक्षण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भौतिक सुख-सुविधाओं की दौड़, देर से विवाह और संतानोत्पत्ति में विलंब जैसी प्रवृत्तियों के कारण हिंदू समाज की जनसंख्या वृद्धि दर प्रभावित हो रही है। उन्होंने सामाजिक दायित्व निभाने और संगठित समाज के निर्माण पर बल दिया।

कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें उपस्थित बुद्धिजीवियों, शिक्षकों, चिकित्सकों, वकीलों, चार्टर्ड अकाउंटेंट, पत्रकारों और समाजसेवियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सुहास हिरेमठ ने दिए। इस अवसर पर शहर जिला संघचालक नरेश मारू, अजय मुडपे सहित बड़ी संख्या में विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ नरेश मारू द्वारा अतिथियों के स्वागत से हुआ, जबकि समापन अधिवक्ता चेतना नाईक द्वारा प्रस्तुत वंदे मातरम् से हुआ। कार्यक्रम का संचालन चंदनसिंह राजपुरोहित ने किया।

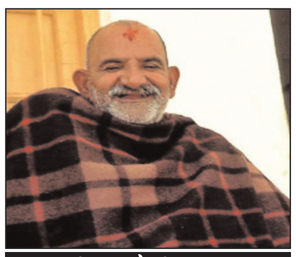

नीम करौली बाबा

स्वामीः शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुद्रित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हा. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे। पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

राशन व्यवस्था को लेकर डीएम सख्त, ई-केवाईसी और खाद्यान्न वितरण में तेजी के निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. की अध्यक्षता में शनिवार देर शाम कलेक्ट्रेट सभागार में खाद्य एवं रसद विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राशन कार्डों की आधार सीडिंग, ई-केवाईसी, खाद्यान्न वितरण, उचित दर दुकानों की स्थिति और विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनपद के सभी राशन कार्डधारकों की लंबित ई-केवाईसी प्रक्रिया को शीघ्र पूरा कर शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया जाए। उन्होंने कहा कि पात्र लाभार्थियों को समय से और पारदर्शी तरीके से खाद्यान्न उपलब्ध कराना विभाग की जिम्मेदारी है।

बैठक में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के तहत जून माह के खाद्यान्न वितरण, नए पात्र लाभार्थियों की स्थिति, उचित दर दुकानों के निरीक्षण, प्रवर्तन कार्य, निलंबित एवं रिक्त दुकानों, अन्नपूर्णा भवन निर्माण और सिंगल स्टेज डिलीवरी व्यवस्था की समीक्षा की गई।

डीएम ने निर्देश दिए कि निलंबित उचित दर दुकानों से जुड़े राशन कार्डधारकों को वैकल्पिक दुकानों के माध्यम से बिना किसी परेशानी के समय से खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने सभी क्षेत्रीय पूर्ति निरीक्षकों को अपने क्षेत्रों में निरीक्षण एवं प्रवर्तन कार्यों में तेजी लाने को कहा।

उन्होंने जिला खाद्य विपणन अधिकारी को एफसीआई और परिवहन ठेकेदारों के साथ समन्वय बनाकर खाद्यान्न उठान समय से सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। साथ ही सिंगल स्टेज डिलीवरी व्यवस्था के तहत राशन दुकानदारों तक खाद्यान्न पहुंचने की प्रक्रिया को प्रभावी बनाने पर जोर दिया।

बैठक में एलपीजी गैस की उपलब्धता की भी समीक्षा की गई, जिस पर संबंधित प्रतिनिधियों ने जनपद में पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध होने की जानकारी दी।

जिलाधिकारी ने निर्माणाधीन अन्नपूर्णा भवनों और मॉडल शॉप की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधूरे कार्यों को जल्द पूरा कराने तथा निर्माण कार्य की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां अभी तक भूमि का चयन नहीं हुआ है, वहां परिवहन की दृष्टि से सुविधाजनक स्थान पर भूमि चिन्हित की जाए।

डीएम ने कहा कि खाद्यान्न वितरण से जुड़ी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के लिए प्रभावी प्रचार-प्रसार किया जाए, जिससे अधिक से अधिक पात्र लोग सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें।

बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि./रा.), नगर मजिस्ट्रेट, जिला पूर्ति अधिकारी, जिला खाद्य विपणन अधिकारी, एफसीआई अधिकारी, एलपीजी कंपनियों के प्रतिनिधि, क्षेत्रीय पूर्ति निरीक्षक, उचित दर विक्रेता संघ के पदाधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाएं, भू-जल स्तर बढ़ाने के लिए सभी विभाग करें प्रभावी कार्य: डीएम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. की अध्यक्षता में शनिवार देर शाम कलेक्ट्रेट सभागार में भू-जल सप्ताह-2026 के तहत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में 16 से 22 जुलाई तक चल रहे कार्यक्रमों की प्रगति, जल संरक्षण एवं भू-जल संवर्धन से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा करते हुए सभी विभागों को प्रभावी कार्ययोजना के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने कहा कि इस वर्ष भू-जल सप्ताह की थीम "जल संरक्षण का करें संकल्प, इसका नहीं है कोई विकल्प" है। उन्होंने सभी विभागों को निर्देशित किया कि विद्यालयों, ग्राम पंचायतों, नगर निकायों और सार्वजनिक स्थलों पर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाकर लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाए।

उन्होंने सभी खंड विकास अधिकारियों को सप्ताह में कम से कम दो दिन पंचायत सचिवालयों में बैठकर क्षेत्र का भ्रमण करने और जल संरक्षण से जुड़े विकास कार्यों की समीक्षा करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी विभागों को अपनी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने को कहा, ताकि अधिक से अधिक लोग सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें।

बैठक में जिलाधिकारी ने क्रिटिकल एवं सेमी-क्रिटिकल विकास खंडों में भू-जल स्तर बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक एवं प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने पर जोर दिया। उन्होंने तालाबों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन, अमृत सरोवरों के सुदृढ़ीकरण तथा रूफटॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के व्यापक क्रियान्वयन को भू-जल संरक्षण की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदम बताया।

उन्होंने निर्देश दिए कि जनपद में स्थापित सभी रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की तकनीकी जांच कर उन्हें पूरी तरह क्रियाशील बनाया जाए। साथ ही सभी नए एवं निर्माणाधीन सरकारी भवनों में यह व्यवस्था अनिवार्य रूप से लागू की जाए तथा निजी भवनों में भी लोगों को इसे अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए।

डीएम ने नगर क्षेत्र के पार्कों में स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली विकसित करने और भू-जल के बजाय उपचारित (ट्रीटेड) जल के उपयोग को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। वहीं औद्योगिक इकाइयों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग, जल के पुनः उपयोग (री-यूज) और पुनर्चक्रण (री-साइक्लिंग) की व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू करने पर भी बल दिया।

उन्होंने कहा कि व्यापक पौधरोपण अभियान और जनजागरूकता कार्यक्रम भू-जल संरक्षण के महत्वपूर्ण माध्यम हैं। सभी विभाग अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर वर्षा जल संरक्षण, भू-जल पुनर्भरण और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दें।

बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने कहा कि "जल का हर बूंद अमूल्य है और उसका संरक्षण प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।" उन्होंने जल संरक्षण को केवल सरकारी अभियान नहीं, बल्कि जनभागीदारी से जुड़े जनआंदोलन का स्वरूप देने का आह्वान किया। साथ ही लोगों से वर्षा जल संचयन अपनाने, जल स्रोतों को स्वच्छ रखने और जल की अनावश्यक बर्बादी रोकने की अपील की।

बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि./रा.), जिला विकास अधिकारी, उप कृषि निदेशक, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। अंत में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई।

नीट में सफलता हासिल कर निधि ने बढ़ाया परिवार का मान

परिवार में खुशी का माहौल, बधाई देने वालों का लगा तांता

जितेन्द्र कनोजिया

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के पूरनपुर गांव में उस समय खुशी का माहौल छा गया जब निधि सक्सेना के राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) में अपने कड़ी मेहनत का परचम लहराते हुए एससी कैटगरी में 3678 रैंक हासिल करने की सूचना मिली। वे सेवानिवृत्त फौजी जयप्रकाश की पुत्री है इस उपलब्धि के बाद परिवार में जश्न का माहौल है होनहार बेटी के सफलता पर बधाई देने वालों का तांता उनके घर लगा रहा, वही निधि सक्सेना ने बताया कि उनका लक्ष्य एमबीबीएस में प्रवेश लेकर डॉक्टर बन देश सेवा करना है। उन्होंने कहा कि नियमित कक्षाओं के साथ विषय आधारित पढ़ाई और लगातार रिवीजन पर विशेष ध्यान दिया। साथ ही परीक्षा की तैयारी के दौरान फेसबुक समेत अन्य सोशल मीडिया अकाउंट का इस्तेमाल बंद कर दिया था। इस अवसर पर राम प्रताप, विजयलक्ष्मी, ग्राम प्रधान रामसमुझ यादव, पंधारी, रज्जू राम,केदार राम व चंद्रेश राम समेत भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

दूसरे प्रयास में निधि ने लहराया परचम

विदित हो कि निधि सक्सेना सर्की में स्थित एसपी इंटरनेशनल स्कूल से इंटरमीडिएट की परीक्षा पास कर दो सालों से वाराणसी के दुगाकुंड में स्थित ऐलन कोचिंग सेंटर में नीट-यूजी परीक्षा की तैयारी कर रही थी पहले प्रयास में असफल होने के बावजूद भी उनका हौसला नहीं टूटा, माता दिव्या व पिता जयप्रकाश ने उनका हौसला बढ़ाते हुए अपने लक्ष्य पर ध्यान देने की बात को कही। जिसके फलस्वरूप निधि ने दूसरे प्रयास में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए परचम लहराया। होनहार बेटी का हौसला अफजाई करने पहुंचे ग्रामीणों का कहना है कि उनकी इस सफलता से हम सभी को गौरवान्वित किया है।

लालगंज तहसील को मिली नई एसडीएम, नेहा मिश्रा ने संभाला कार्यभार

मो. आरिफ

आजमगढ़, लालगंज (उत्तरशक्ति)। आजमगढ़ जनपद की लालगंज तहसील को नई उपजिलाधिकारी (एसडीएम) मिल गई हैं। शनिवार को नेहा मिश्रा ने लालगंज तहसील में उपजिलाधिकारी पद का कार्यभार ग्रहण किया। इससे पूर्व यहां तैनात एसडीएम नंदिनी शाह का स्थानांतरण प्रयागराज कर दिया गया है। नेहा मिश्रा 2020 बैच की पीसीएस अधिकारी हैं। उन्होंने प्रदेश स्तर पर दसवीं रैंक हासिल कर प्रशासनिक सेवा में स्थान बनाया था। उनका स्थानांतरण गोंडा जनपद से आजमगढ़ के लालगंज तहसील में किया गया है।

पदभार ग्रहण करने के बाद नेहा मिश्रा ने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता सार्वजनिक भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराना, पीड़ितों की समस्याओं का त्वरित एवं निष्पक्ष समाधान करना तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना होगा।

उन्होंने कहा कि तहसील क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक को सरल, पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन उपलब्ध कराया जाएगा। राजस्व मामलों का समयबद्ध निस्तारण, जनशिकायतों का प्रभावी समाधान और आमजन को त्वरित न्याय दिलाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। नई एसडीएम ने भरोसा दिलाया कि आमजन की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुनकर उनका विधिसम्मत निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सुशासन, पारदर्शिता और जनविश्वास को मजबूत बनाने के लिए पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जाएगा।

नीट यूजी 2026: शाहीन ग्रुप के 22 हाफिज-हाफिजाओं ने रचा इतिहास, मेडिकल प्रवेश परीक्षा में शानदार सफलता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कर्नाटक के बीदर में शाहीन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, बीदर के 22 हाफिज और हाफिजाओं ने नीट यूजी 2026 में शानदार सफलता हासिल कर शिक्षा जगत में एक नई मिसाल कायम की है। इन विद्यार्थियों ने कुरआन-ए-पाक हिफ्ज करने के साथ-साथ देश की सबसे प्रतिष्ठित मेडिकल प्रवेश परीक्षा में सफलता प्राप्त कर यह साबित किया कि धार्मिक और आधुनिक शिक्षा का समन्वय असाधारण उपलब्धियां दिला सकता है।

सफल विद्यार्थियों की इस उपलब्धि ने यह संदेश दिया है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो, मेहनत निरंतर हो, उचित मार्गदर्शन मिले और आत्मविश्वास बना रहे, तो किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त की जा सकती है। इन छात्रों ने अनुशासन, समर्पण और कठिन परिश्रम के बल पर मेडिकल क्षेत्र में प्रवेश का सपना साकार किया है।

शाहीन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस ने इस सफलता पर सभी सफल छात्र-छात्राओं, उनके अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई देते हुए इसे संस्थान के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। संस्थान का कहना है कि यह सफलता देशभर के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है और यह दर्शाती है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं सही मार्गदर्शन से बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। नीट यूजी 2026 में 22 हाफिज और हाफिजाओं की यह सफलता शिक्षा और समर्पण की प्रेरक कहानी बनकर सामने आई है, जिसकी देशभर में सराहना की जा रही है।

जौनपुर की कदीम शब्बेदारी में विभिन्न दलों के नेताओं की सहभागिता, गंगा-जमुनी तहजीब का दिया संदेश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अंजुमन तंजीम-ए-अजा-ए-हुसैन के तत्वावधान में आयोजित कदीम शब्बेदारी में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों ने आयोजन की सराहना करते हुए सामाजिक सौहार्द, आपसी भाईचारे और गंगा-जमुनी तहजीब को मजबूत बनाने का संदेश दिया।

इस अवसर पर भाजपा के निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष (अल्पसंख्यक मोर्चा), निवर्तमान अल्पसंख्यक आयोग सदस्य एवं आल इंडिया शिया महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हैदर अब्बास चाँद, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुफ्ती हाशिम मेहदी, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष मेराज हैदर, अंजुमन तंजीम-ए-अजा-ए-हुसैन के कनवीनर न्यूज हायरप्वं भाजपा सभासद तहसीन शाहिद, उत्तर प्रदेश NEWS HOUR के हेड वरिष्ठ पत्रकार तामीर हसन शीबू, वरिष्ठ पत्रकार हसनैन कमर 'दीपू', समाजवादी पार्टी के नेता अनवार आब्दी, अफरोज अहमद कांग्रेस नेता भाई फरमान हैदर सहित विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक संगठनों से जुड़े अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अतिथियों ने कहा कि जौनपुर की पहचान उसकी गंगा-जमुनी तहजीब और सांप्रदायिक सौहार्द रही है। ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन समाज में प्रेम, एकता और आपसी सम्मान की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने आयोजकों के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए भविष्य में भी इसी तरह सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने वाले आयोजनों के सफल आयोजन की शुभकामनाएं दीं।

उत्तरशक्ति खबर का असरः जला ट्रांसफार्मर बदला, शेखजादा प्रथम वार्ड में लौटी बिजली

खबर प्रकाशित होते ही हरकत में आए जनप्रतिनिधि, शेखजादा प्रथम वार्ड में लगा नया ट्रांसफार्मर

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत केराकत के शेखजादा प्रथम वार्ड में कई दिनों से जले ट्रांसफार्मर के कारण पूरा मोहल्ला अंधेरे में डूबा हुआ था। स्थानीय लोगों को भीषण गर्मी के बीच बिजली न मिलने से भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। मामले को उत्तरशक्ति ने प्रमुखता से प्रकाशित किया, जिसके बाद जनप्रतिनिधि ने तत्काल संज्ञान लेते हुए समस्या का समाधान कराया। खबर प्रकाशित होने के बाद नगर पंचायत

केराकत की चेयरमैन के पति एवं प्रतिनिधि कृष्णा जायसवाल 'गोलू' ने तत्काल पहल करते हुए विद्युत विभाग के अधिकारियों से संपर्क किया। उनकी सक्रियता के बाद जले हुए ट्रांसफार्मर को हटाकर उसकी जगह नया ट्रांसफार्मर स्थापित करा दिया गया, जिससे वार्ड में दोबारा बिजली आपूर्ति बहाल हो गई। बिजली आने के बाद मोहल्ले में खुशी का माहौल देखने को मिला। स्थानीय महिलाओं और पुरुषों ने राहत की सांस लेते हुए समस्या के त्वरित समाधान पर संतोष व्यक्त किया। लोगों ने जनप्रतिनिधि की सक्रियता की सराहना करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। इस सम्बन्ध में चेयरमैन ज्योति जायसवाल के पति प्रतिनिधि कृष्णा जायसवाल 'गोलू' ने बताया कि जैसे ही उन्हें मामले की जानकारी मिली, उन्होंने तत्काल कार्रवाई कराते हुए नया ट्रांसफार्मर लगवाया। उन्होंने कहा, "मैं स्वयं को नेता नहीं, बल्कि केराकत नगर की देवतुल्य जनता का बेटा मानता हूं। नगरवासियों को जब भी मेरी आवश्यकता होगी, मैं बिना किसी भेदभाव के उनके साथ खड़ा रहूंगा। विकास कार्य आगे भी इसी तरह जारी रहेंगे।" गौरतलब है कि स्थानीय समस्याओं को प्रमुखता से उठाने के बाद उनका त्वरित समाधान होना एक बार फिर यह दर्शाता है कि जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने से संबंधित विभागों और जनप्रतिनिधियों का ध्यान आकर्षित होता है तथा लोगों को समय पर राहत मिलती है।

हुसैनाबाद शाहगंज में मुहर्रम के जुलूस के दौरान निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, सैकड़ों जायरीनों को मिला लाभ

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुहर्रम के 1 सफर के मौके पर हुसैनाबाद शाहगंज में आयोजित जुलूस-ए-अमारी के दौरान मानव सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट, भारत एवं मदर निशा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। शिविर में सैकड़ों जायरीनों और अजादारों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। स्वास्थ्य शिविर का आयोजन जुलूस में शामिल होने वाले लोगों को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया गया। दोपहर 12 बजे से शाम 7 बजे तक चले इस शिविर में चिकित्सकों की टीम ने लगातार सात घंटे तक अपनी सेवाएं दीं।

शिविर में क्षेत्र के प्रतिष्ठित चिकित्सकों ने लोगों की स्वास्थ्य जांच की और आवश्यक दवाओं का वितरण किया। साथ ही जुलूस के दौरान घायल हुए लोगों की ड्रेसिंग और मरहम-पट्टी भी की गई।

इस अवसर पर डॉ. सत्य प्रकाश गौतम, डॉ. विवेक कुमार, डॉ. विशाल, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. अरविंद कनौजिया, डॉ. सरफराज, डॉ. तय्यब अंसारी एवं डॉ. मोफिद अहमद सहित अन्य चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं।

कार्यक्रम का संचालन मानव सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक एवं प्रबंधक अध्यक्ष हुसैन हैदर तथा मदर निशा फाउंडेशन के संयोजक फैजान अंसारी के नेतृत्व में किया गया।

शिविर को सफल बनाने में मोहम्मद लारेब खान, फिरोज अहमद खान, निजाम वसी मोहम्मद, सय्यद सकलेन, मोहम्मद मेराज खान, मोहम्मद ईशान खान, शहनशाह खान हुसैनाबाद, मोहम्मद नईम, शबी हैदर, सिराजी, श्याम बहादुर प्रजापति, सय्यद काज़िम हुसैन सिराजी, मोहम्मद हसनैन भांदी, सय्यद गुलाम अब्बास रिजवी सहित कई लोगों का विशेष सहयोग रहा।

आयोजकों ने जुलूस में शामिल सभी जायरीनों, जुलूस आयोजकों, पुलिस प्रशासन और सुरक्षा कर्मियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संस्था आगे भी शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में जनसेवा के कार्यों को जारी रखेगी।

फाइनेंस कंपनी की मैनेजर से दुष्कर्म, शादी के बाद प्रताड़ना

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। मुंबई में फाइनेंस कंपनी में मैनेजर लक्सा निवासी युवती ने भेलूपुर थाने में सहकर्मी वरुण लालवानी पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने, गर्भपात कराने, शादी के बाद दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। भेलूपुर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। प्रताड़ना में आरोपी युवक के परिजन भी नामजद हैं। युवती ने पुलिस को बताया कि कमच्छा के बिंद भवन निवासी वरुण लालवानी से 2022 में इंस्टाग्राम और फेसबुक के जरिये पहचान हुई। दोनों मुंबई में एक ही फाइनेंस कंपनी के काम करते थे। वहां आरोपी ने प्रेम संबंध की बात रखते हुए शादी का झांसा दिया। दबाव बनाकर संबंध बनाए। गर्भवती होने पर दवा खिलाई। गर्भपात के बाद उसने कोर्ट के जरिए शादी की। आरोप है कि विवाह पंजीकरण के बाद वरुण के भाई सनूल ने उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास किया।

अंतिम घटनाक्रमः बीते 14 जुलाई को वरुण उसे लेकर वाराणसी आया। उसके घर छोड़ते हुए कहा कि उसने केवल कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए विवाह का पंजीकरण कराया है। अब वह साथ नहीं रखेगा। अगले दिन 15 जुलाई को युवती अपने पिता, मां, मौसी के साथ वरुण लालवानी के घर गई। वहां वरुण के पिता मोतीलाल लालवानी, जेठ सनूल लालवानी तथा वरुण लालवानी ने कहा कि वे तभी अपनाएंगे, जब 50 लाख रुपये दहेज मिलेगा। वहां से धमकी देते हुए भगा दिया गया।

दिल्ली की सीएम ने बाबा विश्वनाथ और बाबा भैरव जी का दर्शन कर काशी में मनाया जन्मदिन

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को अपना 52वां जन्मदिन जन्मदिन मनाया। वह अपने पति मनीष गुप्ता और बेटे निकुंज के साथ काशी पहुंचीं। वह शनिवार को ही काशी पहुंचीं थीं। रविवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर और काशी के कोतवाल श्री काल भैरव मंदिर में विधि-विधान से दर्शन-पूजन किया। उन्होंने बाबा विश्वनाथ के समक्ष दिल्लीवासियों की सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और देश की प्रगति के लिए प्रार्थना की।

सुबह निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता अपने परिवार के साथ काल भैरव मंदिर पहुंचीं, जहां विधि विधान से उन्होंने पूजा-अर्चना की पूजा की उन्हें काला धागा दिया। उसके बाद श्री काशी विश्वनाथ धाम पहुंचीं। मंदिर प्रशासन और अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। उन्होंने सबसे पहले मंदिर परिसर स्थित श्री अविमुक्तेश्वर महादेव का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच रुद्राभिषेक किया। इसके बाद गर्भगृह में पहुंचकर बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक कर विशेष पूजा-अर्चना की। पूजा होने के बाद उन्होंने पूरे मंदिर परिसर का भ्रमण किया, जहां अधिकारियों ने उन्हें मंदिर की व्यवस्थाओं और श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी। उसके पहले पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ होटल में केक काटा।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि मैं बाबा श्री काशी विश्वनाथ के दर्शन-पूजन एवं दिल्लीवासियों के सुख, समृद्धि और कल्याण के लिए उनका आशीर्वाद लेने वाराणसी आई हूं। उन्होंने कहा कि उनकी कामना है कि बाबा भोलेनाथ की कृपा सदैव सभी लोगों पर बनी रहे और देश निरंतर विकास एवं प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ता रहे।

अपने जन्मदिन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आज उन्हें अनादि, अविनाशी और मोक्षदायिनी काशी में बाबा श्री काशी विश्वनाथ एवं काशी के कोतवाल श्री काल भैरव के श्रीचरणों में दर्शन-पूजन का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि काशी भारत की सनातन चेतना का शाश्वत प्रकाश है, जहां हर कण में शिव का वास, हर श्वास में भक्ति और हर कदम पर अध्यात्म का स्पंदन अनुभव होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा विश्वनाथ की कृपा और काल भैरव जी का संरक्षण अनादिकाल से इस पावन नगरी और इसके भक्तों का संबल रहा है। उन्होंने भगवान से प्रार्थना की कि सभी पर अपनी असीम कृपा बनाए रखें, सभी को सुख, सौभाग्य, उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि का आशीर्वाद दें तथा भारत निरंतर वैभव, यश और नई उपलब्धियों के शिखर को स्पर्श करता रहे।

संचारी दस्तक अभियान, फाइलेरिया रुग्णता प्रबंधन कैंप आयोजन एवं पर्यवेक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला मलेरिया अधिकारी जौनपुर सुनील कुमार यादव द्वारा संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं फाइलेरिया रुग्णता प्रबंधन कैंप के तहत 18 जुलाई को ब्लॉक मुफ्तीगंज के ग्राम विजयीपुर में स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर सी एच ओ खुशबू मौर्या, डी ओ पाथ अमरेश कुमार एवं क्षेत्रीय आशाओं के सहयोग से फाइलेरिया हाथीपांव मरीजों के लिए रुग्णता प्रबंधन एवं दिव्यांगता रोकथाम कैंप आयोजित कर समस्त 10 मरीजों को रुग्णता प्रबंधन प्रशिक्षण, एक्सरसाइज साफ सफाई, धुलाई आदि की जानकारी देकर रुग्णता प्रबंधन किट प्रदान की गई।

समस्त मरीजों एवं उनके परिजनों को संचारी रोग के कारण लक्षण बचाव, मच्छरों से रोक थाम, साफ सफाई, झाड़ी की कटाई, हाथ धोने के महत्व आदि की जानकारी दी गई, पोस्टर पैम्फलेट वितरण किया गया। साथ ही अगली कड़ी में विजयीपुर ग्राम में संचारी दस्तक अभियान संबंधित गतिविधियों का पर्यवेक्षण किया गया इस दौरान आशा विजय लक्ष्मी पाठक उपस्थित रहीं। जन समुदाय को संचारी रोगों के बारे में जानकारी दी गई।

इस क्रम में प्राथमिक विद्यालय विजयीपुर स्कूल प्रिंसिपल श्रीमती प्रतिभा राय एवं छात्र छात्राओं के बीच भी संचारी रोगों के कारण लक्षण बचाव जांच उपचार, हाथ धोने, साफ सफाई आदि के महत्व पर चर्चा की गई। और बताया गया कि संचारी रोग उन समस्त रोगों को कहते हैं जो एक बीमार व्यक्ति से दूसरे लोगों में मच्छर, मक्खी, दूषित भोजन पानी, खुले में रखी खाद्य सामग्रियों के सेवन, छींकने, खांसने आदि से फैलते हैं जैसे मलेरिया, फाइलेरिया, डेंगू, चिकुनगुनिया, टीबी, कुष्ठ, टाइफॉयड, हैजा, डायरिया, पेचिश, स्क्रब टायफस आदि प्रमुख संचारी रोग हैं।

जनपद में संचारी दस्तक अभियान 01 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक तथा दस्तक अभियान 11 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक संचालित हो रहा है, जिसमें स्वास्थ्य विभाग एवं बाल विकास विभाग से आशा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता घर घर भ्रमण कर संचारी रोगों से बचाव के बारे में लोगों को जागरूक करेंगी तथा टीबी, कुष्ठ, मलेरिया, डेंगू, फाइलेरिया आदि लक्षण युक्त मरीजों को चिन्हित कर उनका जांच उपचार कराने हेतु स्वास्थ्य केंद्र संदर्भित करेंगी।

संचारी रोगों से बचाव हेतु अपील- समस्त जनसमुदाय से निवेदन है कि आप अपने घरों के आस पास साफ सफाई रखें, झाड़ियां न उगने दें, जल जमाव न होने दें, नालियों में कूड़ा कचड़ा न डालें, रुके हुए पानी में जला हुआ मोबिल ऑयल डालें, कूलर फ्रिज की ट्रे, गमले आदि में जमा पानी सप्ताह में एक बार अवश्य बदल दें, टंकियों को ढक कर रखें, पूरी आस्तीन के कपड़े पहने, खुली बदन न सोएं, सोते समय मच्छरदानी लगाएं, खुले में शौच न करें,खाना खाने से पहले साबुन से हाथ अवश्य धोएं, बुखार हो तो तत्काल नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र जाकर अपना निःशुल्क जांच उपचार कराएं, बुखार में देरी पड़ेगी भारी। जल जमाव होगा जहां, मच्छर पैदा होंगे वहां। शूकर, मच्छर, गंदा पानी, संचारी रोगों की रचे कहानी।

वाराणसी: मंदबुद्धि चचेरी बहन के साथ दो सगे भाइयों ने किया दुष्कर्म, गिरफ्तार

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। रिश्ते को कलंकित करते हुए सगे भाइयों द्वारा नाबालिग चचेरी बहन के साथ दुष्कर्म किए जाने का एक गंभीर मामला सामने आया है। यह घटना बीते शुक्रवार रात की है। किशोरी के पिता की तहरीर पर रविवार की सुबह पुलिस ने सगे भाइयों के खिलाफ दुष्कर्म और पाक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मिजार्मुराद थाना के खजुरी पुलिस चौकी अंतर्गत एक गांव की १७ वर्षीय मानसिक रूप से कमजोर किशोरी को भैरोनाथ (राजातालाब) में लगे रथयात्रा मेले दिखाने के बहाने पड़ोस के रहने वाले चचेरे भाई बहला-फुसलाकर घर से बाहर ले गए। दोनों भाइयों ने मिलकर किशोरी के साथ दुष्कर्म किया और उसे यह बात किसी को न बताने की धमकी भी दी। किशोरी जब घर पहुंची, तो उसने अपनी मां और बुआ को रो-रोकर पूरी घटना बताई। इसके बाद उसके पिता ने थाने जाकर दोनों युवकों के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर पीड़िता को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा और दोनों आरोपियों की तलाश में जुट गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार, दोनों आरोपी मजदूरी का काम करते हैं। थानाप्रभारी निरीक्षक गोपाल कुशवाहा ने बताया कि दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। यह घटना समाज में रिश्तों की पवित्रता को कलंकित करने वाली है और इस प्रकार के अपराधों के प्रति सख्त कार्रवाई की आवश्यकता है। पुलिस प्रशासन ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई की है, जिससे पीड़िता को न्याय मिल सके।

जौनपुर की अज्कह इकबाल खान ने NEET UG 2026 में लहराया परचम, 617 अंक और AIR 5582 हासिल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर के शहर स्थित बलुवाघाट एवं मूल निवास मानीकलां की प्रतिभाशाली छात्रा अज्कह इकबाल खान ने NEET UG 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 720 में से 617 अंक, 99.71 पर्सेंटाइल तथा ऑल इंडिया रैंक (AIR) 5582 प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया है। अज्कह, मोहम्मद इकबाल खान एवं शबनम खातून की पुत्री हैं। उन्होंने अपनी इंटरमीडिएट की पढ़ाई अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से पूरी की। कड़ी मेहनत, अनुशासित दिनचर्या और शिक्षकों व परिजनों के मार्गदर्शन के बल पर उन्होंने प्रथम प्रयास में ही यह उल्लेखनीय सफलता हासिल की। अज्कह की सफलता से परिवार, रिश्तेदारों, शिक्षकों और पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। परिजनों का कहना है कि अज्कह भविष्य में एक सफल चिकित्सक बनकर समाज और देश की सेवा करेंगी। उल्लेखनीय है कि उनकी बड़ी बहन डॉ. उम्मे सुमैय्या भी चिकित्सा क्षेत्र में अपनी सेवाएं दे रही हैं, जिससे यह उपलब्धि परिवार की शिक्षा और समाजसेवा के प्रति समर्पण को और मजबूत करती है। क्षेत्र के लोगों ने अज्कह की मेहनत, लगन और आत्मविश्वास की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सफलता उन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है, जो कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प के साथ अपने सपनों को साकार करने का प्रयास कर रहे हैं।

आयकर अधिकारी बनकर सराफा दुकान पहुंचे पांच संदिग्ध, तीन दबोचे, दो फरार

रामपुर ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गोपालापुर बाजार स्थित सराफा व्यवसायी दिनेश बरनवाल की दुकान पर रविवार को पांच लोग स्वयं को आयकर विभाग का अधिकारी बताकर पहुंच गए। आरोप है कि उन्होंने छापेमारी का हवाला देते हुए दुकान का शटर बंद करा दिया और अलमारी में रखे जेवरात व अन्य सामान की जांच के नाम पर उन्हें अपने कब्जे में लेने लगे। आरोप यह भी है कि उन्होंने व्यवसायी की लाइसेंसी रिवॉल्वर अपने कब्जे में लेकर पति-पत्नी को डराने का प्रयास किया। व्यवसायी के परिजनों को संदिग्धों की गतिविधियों पर शक हुआ तो उन्होंने उनसे पहचान पत्र और छापेमारी से संबंधित दस्तावेज दिखाने को कहा। साथ ही स्पष्ट किया कि यदि कार्रवाई वास्तव में आयकर विभाग की है तो स्थानीय पुलिस की मौजूदगी में ही सामान ले जाया जाएगा। इस पर लोगों ने शोर मचाया और आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने पीछा कर तीन संदिग्धों को पकड़ लिया, जबकि दो मौके से फरार हो गए। सूचना पर पहुंची रामपुर पुलिस ने पकड़े गए तीनों संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। फरार दो आरोपियों की तलाश की जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही बाजार में लोगों की भारी भीड़ जुट गई। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

कार्डधारकों की अवशेष ई-केवाईसी पूरा करें

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में खाद्य एवं रसद विभाग की विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने विभाग से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं की समीक्षा की। इनमें प्रचलित राशन कार्डों में आधार सीडिंग एवं ई-केवाईसी की प्रगति, पात्रता सूची में शामिल नए लाभार्थियों की स्थिति, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत माह जून के खाद्यान्न वितरण की प्रगति, विभागीय अधिकारियों द्वारा किए गए निरीक्षण एवं प्रवर्तन कार्य, निलंबित एवं रिक्त उचित दर दुकानों की स्थिति, अन्नपूर्णा भवनों के निर्माण की प्रगति, सिंगल स्टेज डिलीवरी व्यवस्था का क्रियान्वयन तथा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना एवं आयुष्मान कार्ड की प्रगति प्रमुख रूप से शामिल रही। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जनपद के सभी राशन कार्डधारकों की अवशेष ई-केवाईसी की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कराते हुए शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया जाए। उन्होंने रिक्त उचित दर दुकानों के आवंटन से संबंधित लंबित प्रस्तावों के निस्तारण हेतु संबंधित खंड विकास अधिकारियों एवं उपजिलाधिकारियों की उपस्थिति में बैठक आयोजित कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी क्षेत्रीय पूर्ति निरीक्षकों को अपने-अपने क्षेत्रों में निरीक्षण एवं प्रवर्तन कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन ग्राम पंचायतों की उचित दर दुकानें निलंबित हैं, वहां संबंधित राशन कार्डधारकों को संबद्ध दुकानों के माध्यम से बिना किसी असुविधा के समयबद्ध एवं शत-प्रतिशत खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित कराया जाए। इसके लिए क्षेत्रीय पूर्ति निरीक्षक संबंधित उचित दर विक्रेताओं के साथ समन्वय स्थापित करें।

उमर वैश्य प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन, 54 मेधावी बच्चों को किया गया सम्मानित

मछलीशहर ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के एक पैलेस में रविवार को उमर वैश्य समाज मछलीशहर का चतुर्थ प्रतिभा सम्मान समारोह धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान समाज के कुल 54 मेधावी बच्चों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपदीय उमर वैश्य समिति के संरक्षक जगदीश प्रसाद उमरवैश्य ने कहा कि वहीं बच्चे शिक्षा और अनुशासन के साथ पढ़ाई करते रहेंगे तो कोई भी लक्ष्य प्राप्त करने में कठिनाई नहीं होगी। उन्होंने कहा कि सिर्फ कुछ अंक किसी की प्रतिभा को नहीं नाप सकते कार्यक्रम को अशोक कुमार उमर वैश्य, शिरीष कुमार, प्रदीप कुमार उमर वैश्य, योगेश उमर वैश्य, घनश्याम, अनंत प्रसाद, डॉ. सुधाकर गुप्ता आदि ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन राजेश उमर वैश्य ने किया। सम्मान समारोह में शिशिर, प्रतीक, विजय, रवि, सोनू, संतोष आदि समेत उमर वैश्य परिवार के लोग व बच्चे उपस्थित रहे।

अंजुमन रहीमिया की एजाजी नशिस्त सम्पन्न,मुश्ताक अहमद नूरी रहे मुख्य अतिथि

जौनपुर (उत्तरशक्ति) । शहर के तंदूरी दरबार बैंक्वेट हॉल में अंजुमन रहीमिया के तत्वावधान में एक शानदार एजाजी नशिस्त (सम्मान समारोह) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अदबी,सामाजिक और शैक्षिक क्षेत्र से जुड़े गणमान्य लोगों ने बड़ी संख्या में शिरकत की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिहार उर्दू अकादमी के पूर्व अध्यक्ष एवं बंगाल उर्दू अकादमी पूर्व सचिव श्री मुश्ताक अहमद नूरी रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. शाहिद जमील उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मास्टर नदीम अलवी ने की,जबकि संचालन इरफान जौनपुरी ने अपने प्रभावशाली अंदाज में किया। सर्वप्रथम अंजुमन रहीमिया के अध्यक्ष आरिफ खान व सेक्रेटरी शाहनवाज मंजूर ने अतिथियों का माल्यापर्ण कर स्वागत किया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि मुश्ताक अहमद नूरी ने कहा कि उर्दू जबान और अदब हमारी साझा तहजीब की अमूल्य धरोहर है। ऐसी अदबी नशिस्तें समाज में भाईचारा,इल्म और साहित्यिक संस्कृति को मजबूत करती हैं। उन्होंने अंजुमन रहीमिया की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि साहित्यिक गतिविधियाँ नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। विशिष्ट अतिथि डॉ. शाहिद जमील ने कहा कि अदब इंसानियत,मोहब्बत और आपसी सौहार्द का पैगाम देता है। ऐसे आयोजनों से समाज में सकारात्मक वातावरण बनता है और उर्दू अदब को नई ऊर्जा मिलती है।

ध्यक्षीय संबोधन में मास्टर नदीम अलवी ने अंजुमन रहीमिया के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए सभी अतिथियों,शायरों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर शायर कारी जिया जौनपुरी, अबूजर अंसारी, अबुजर शेख सभासद,खलील इब्ने असर, आलम गाजीपुर, मास्टर अब्दुल बारी,कमर जौनपुरी ,इस्तखार उल प्रधान,अजीम जौनपुरी, मोहम्मद ताहिर, अहमद अजीज, एडवोकेट जफर खान राजा उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य विभाग की टीम बनकर वसूली करने वाला आरोपी गिरफ्तार, मेडिकल स्टोर संचालकों को सीज करने की धमकी देकर ऐंठे थे रुपये

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज पुलिस ने स्वास्थ्य विभाग की टीम का सदस्य बनकर मेडिकल स्टोर एवं डिस्पेंसरी संचालकों को कार्रवाई का भय दिखाकर अवैध वसूली करने वाले एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रामनिवास गौतम पुत्र वंशराज गौतम, निवासी छतरपुर थाना बरदह, जनपद आजमगढ़ के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार आरोपी को रविवार को नटौली क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। उसके खिलाफ शाहगंज थाने में दर्ज मुकदमे के तहत कार्रवाई करते हुए न्यायालय भेज दिया गया है। मामले के अनुसार नटौली निवासी मेडिकल स्टोर एवं डिस्पेंसरी संचालक लक्ष्मीशंकर यादव ने पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि 11 जुलाई को तीन लोग उनकी डिस्पेंसरी पर पहुंचे। उन्होंने खुद को मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) की टीम का सदस्य बताते हुए क्लीनिक को फर्जी करार दिया और सीज करने की धमकी दी। आरोपियों ने कार्रवाई से बचाने के नाम पर पहले 20 हजार रुपये और बाद में 5 हजार रुपये की मांग की। भय और दबाव बनाकर उन्होंने पीड़ित से 3 हजार रुपये वसूल लिए। बाद में जानकारी मिली कि आरोपियों ने अन्य मेडिकल स्टोर और क्लीनिक संचालकों से भी इसी तरह धन उगाही की थी।

शिकायत मिलने पर शाहगंज पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान मुख्य आरोपी रामनिवास गौतम को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है।

नगरसेविका निम्मी दोशी ने वार्ड 23 के सभी मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

वसई-विरार। लोकतंत्र को मजबूत बनाने और मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य की प्रभावी निगरानी के उद्देश्य से वार्ड क्रमांक 23 की नगरसेविका श्रीमती निम्मी निपुण दोशी ने निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त सभी बीएलओ अधिकारियों से उनके संबंधित मतदान केंद्रों पर जाकर मुलाकात की और चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया।

इस दौरान भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता निपुण दोशी भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान सभी मतदान केंद्रों पर मतदाता पंजीकरण, नाम संशोधन, पता परिवर्तन तथा मतदाता सूची सत्यापन जैसे कार्यों की समीक्षा की गई। साथ ही यह सुनिश्चित किया गया कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी प्रक्रियाएं सुचारू रूप से संचालित हो रही हैं।

नगरसेविका श्रीमती निम्मी निपुण दोशी ने बीएलओ अधिकारियों के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि शुद्ध, पारदर्शी और अद्यतन मतदाता सूची ही मजबूत लोकतंत्र की आधारशिला है। उन्होंने अधिकारियों से नागरिकों को अधिकतम सुविधा प्रदान करने तथा पूरी जिम्मेदारी और पारदर्शिता के साथ कार्य करने का आग्रह किया।

वार्ड 23 के विभिन्न मतदान केंद्रों पर किए गए इस व्यापक निरीक्षण के माध्यम से चुनावी प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और जनहितकारी बनाने का संदेश दिया गया।

राजन नाईक ने विरार ईस्ट और वेस्ट में एसआईआर अभियान का किया निरीक्षण

नालासोपारा। नालासोपारा के विधायक राजन नाईक ने आज विरार ईस्ट और विरार वेस्ट के विभिन्न स्थानों पर संचालित एसआईआर शिविरों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने नागरिकों से बातचीत कर उनके पंजीकरण की प्रक्रिया की जानकारी ली और पूरे अभियान की प्रगति का निरीक्षण किया।

दौरे के दौरान विधायक राजन नाईक ने संबंधित अधिकारियों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र मतदाता तक यह प्रक्रिया सुचारु और प्रभावी ढंग से पहुँचे तथा किसी भी नागरिक को पंजीकरण के दौरान असुविधा न हो, इसके लिए सभी संबंधित अधिकारी और कार्यकर्ता समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक योग्य नागरिक की मतदान प्रक्रिया में भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए सभी पात्र मतदाताओं से अपील की गई कि वे समय पर अपना पंजीकरण एवं आवश्यक औपचारिकताएँ पूरी करें और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को सशक्त बनाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

डॉ रोहिताश्व जांगिड़ चुने गए चिकित्सा अधिकारी संघ के अध्यक्ष

झुंझुनू (उत्तरशक्ति)। चिड़ावा रोड स्थित जमुना रिसोर्ट में रविवार को राजस्थान आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी संघ, जिला शाखा झुंझुनू के निर्वाचन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिस में जिले के तमाम आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारियों की उपस्थिति में विभिन्न पदों पर सर्वसम्मति से निर्विरोध चुनाव संपन्न हुआ। निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान जिला शाखा झुंझुनू के अध्यक्ष पद के लिए डॉ. रोहितास कुमार जांगिड़ को सर्वसम्मति से निर्विरोध घोषित किया गया।तो वहीं महासमिति सदस्य पद के लिए डॉ. सुरांगना शर्मा, डॉ. अरविंद नारनौलिया,डॉ. पवन सैनी तथा डॉ.महेंद्र नेहरा का निर्विरोध चयनित हुए। इसके अतिरिक्त एक मात्र प्रांतीय राजपत्रित अधिकारी संघ के सदस्य पद हेतु डॉ. पंकज शर्मा को निर्विरोध चयन किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपनिदेशक डॉ. जितेंद्र स्वामी रहे तथा निर्वाचन अधिकारी के रूप में डॉ. कमलेश शर्मा,प्रांतीय पर्यवेक्षक डॉ.सुरेश रॉयल, आयुर्वेद मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. महेश कुमार झाझड़िया,वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. पुरुषोत्तम लाल शर्मा, निवर्तमान अध्यक्ष डॉ. मदनलाल सैनी मंचासीन रहे। इस बार बड़ी संख्या में महिला चिकित्सकों सहित तमाम ब्लॉक अधिकारीयों ने भाग लेकर अपनी सहभागिता दिखाई। कार्यक्रम का संचालन दो राजेंद्र कुमावत ने किया।

भारत-नेपाल सीमा पर उज्बेकिस्तान की महिला गिरफ्तार, मुंबई में फर्जी आधार कार्ड बनवाकर बदल ली थी पहचान

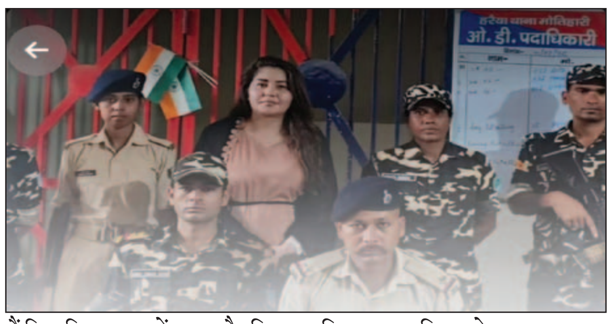

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नई दिल्ली/भारत-नेपाल सीमा। भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा एजेंसियों ने उज्बेकिस्तान की एक महिला को हिरासत में लिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि महिला ने मुंबई में कथित रूप से अपनी पहचान बदलकर फर्जी आधार कार्ड बनवा रखा था और उसी के आधार पर भारत में रह रही थी। जांच एजेंसियों के अनुसार, पूछताछ में महिला के दस्तावेजों और वास्तविक पहचान में कई विसंगतियां मिली हैं। जांच के दौरान यह भी पता चला कि उसने फर्जी दस्तावेजों के जरिए भारतीय पहचान प्राप्त करने का प्रयास किया था। सुरक्षा एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि महिला भारत में कब और किस वीजा पर आई, फर्जी आधार कार्ड किसकी मदद से बनवाया गया और उसके पीछे किसी संगठित गिरोह का हाथ है या नहीं। मामले में मुंबई और अन्य संबंधित एजेंसियों से भी जानकारी जुटाई जा रही है। फिलहाल महिला से गहन पूछताछ जारी है और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है ताकि फर्जी दस्तावेज तैयार करने वालों तक भी पहुंचा जा सके।

नवागत एसडीएम का सीएचसी दुद्धी में औचक निरीक्षण

दुद्धी, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। दुद्धी के नए उपजिलाधिकारी रवि कुमार ने रविवार को स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया, जिससे अस्पताल प्रशासन और स्वास्थ्यकर्मियों में हड़कंप मच गया। कार्य प्रणाली पर संतोषः एसडीएम ने ड्यूटी पर तैनात महिला चिकित्सक डॉ. ऐमन अंसारी से मरीजों की देखभाल और इमरजेंसी सेवाओं की जानकारी ली और उनके काम पर संतोष जताया। गंदगी पर जताई नाराजगीः अस्पताल परिसर और गैलरी में फैली गंदगी को देखकर एसडीएम ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की और सफाई व्यवस्था को लेकर जवाब-तलब किया। अधीक्षक की अनुपस्थितिः उपस्थिति पंजिका (अटेंडेंस रजिस्टर) मांगने पर पता चला कि वह अधीक्षक के बंद केबिन में है। डॉ. ऐमन ने बताया कि उन्होंने खुद एक दिन पहले ही कार्यभार संभाला है और व्यवस्थाओं की सही जानकारी अधीक्षक डॉ. शाह आलम के आने पर ही मिल पाएगी।

अस्पताल को हिदायतः अधीक्षक का ऑफिस बंद होने के कारण एसडीएम ने दोबारा आने की बात कही और ड्यूटी पर तैनात स्टाफ (नर्स रीता कन्नौजिया, सरोज खान आदि) को अपने कर्तव्यों का सही से पालन करने की हिदायत देकर रवाना हो गए।

फ्लोरोसिस प्रभावित इलाकों में जल जीवन मिशन पर उठे सवाल, ग्रामीणों ने किया जोरदार प्रदर्शन

सुशील कुमार तिवारी

कोन,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। नवसृजित विकास खंड कोन क्षेत्र में जल जीवन मिशन के तहत संचालित हर्रा-कदरा ग्राम समूह पेयजल योजना ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बनती जा रही है। फ्लोरोसिस प्रभावित क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं होने से नाराज ग्रामीणों ने रविवार को कुड़वा में जोरदार प्रदर्शन कर जल निगम और कार्यदायी संस्था के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

ग्रामीणों का आरोप है कि कार्यदायी संस्था विष्णु प्रकाश आर पुंगलिया लिमिटेड की लापरवाही और मनमानी के कारण करोड़ों रुपये की योजना धरातल पर दम तोड़ रही है। उनका कहना है कि कई गांवों में नल कनेक्शन अधूरे हैं, जबकि कागजों में योजना को पूर्ण दिखा दिया गया है। ग्रामीणों के मुताबिक फ्लोरोसिस प्रभावित कचनरवा, कुड़वा सहित दर्जनों गांवों में आज भी लोग फ्लोराइडयुक्त पानी, नदी-नाले और चुआं का पानी पीने को मजबूर हैं। इससे बच्चों के दांत पीले पड़ रहे हैं और लोग फ्लोरोसिस जैसी गंभीर बीमारी से प्रभावित हो रहे हैं। सामाजिक कार्यकर्ता गंगा प्रसाद यादव ने आरोप लगाया कि क्षेत्र के कई गांवों में वर्षों से जलापूर्ति ठप है। उन्होंने कहा कि असनाबांध वार्ड नंबर-3 सहित कई बस्तियों में आज तक नियमित पानी नहीं पहुंचा है। ग्रामीणों ने सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत की, लेकिन बिना काम पूरा हुए ही जांच आख्या लगा दिए जाने का आरोप लगाया।

ग्रामीणों का कहना है कि सिधवादामर, कुड़वा समेत करीब 32 गांवों में पेयजल संकट बना हुआ है। पाइपलाइन की गुणवत्ता, मानक के अनुरूप गहराई और मरम्मत कार्यों पर भी सवाल खड़े किए गए हैं। प्रदर्शन में गंगा प्रसाद यादव, जयराम, कलावती देवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री और जिलाधिकारी से मांग की है कि योजना की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, दोषी संस्था पर कार्रवाई की जाए और प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। इस मामले में जल निगम के एई ममूर अली ने बताया कि कोन-विंढमगंज मुख्य मार्ग पर मेन पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से समस्या उत्पन्न हुई है। उन्होंने कहा कि पीडब्ल्यूडी से समन्वय कर जल्द मरम्मत कराई जाएगी, जिसके बाद नियमित जलापूर्ति शुरू हो जाएगी। अब देखने वाली बात होगी कि सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना कागजों से निकलकर कब ग्रामीणों के घरों तक पहुंचती है।

910 वाहनों का चालान, जौनपुर पुलिस ने चलाया यातायात नियमों के पालन को लेकर विशेष अभियान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में जनपद में यातायात नियमों के अनुपालन और अपराध नियंत्रण के उद्देश्य से रविवार को विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान यातायात पुलिस सहित विभिन्न थाना क्षेत्रों की पुलिस टीमों ने प्रमुख चौराहों, सार्वजनिक स्थानों और संवेदनशील मार्गों पर सघन जांच की। चेकिंग अभियान में पुलिस ने संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की जांच की। इस दौरान बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, तीन सवारी, बिना वैध दस्तावेजों के वाहन चलाने वालों तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। जौनपुर पुलिस के अनुसार अभियान के तहत कुल 910 वाहनों का चालान किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देना, दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाना और आमजन में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता पैदा करना है।

काशी ने मुझे केवल दर्शन नहीं, भारत की सांस्कृतिक आत्मा का साक्षात्कार कराया

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से विशेष बातचीत ट्ट पहली बार काशी आगमन पर आध्यात्मिक अनुभव साझा किया ट्ट बोलीं- मोदी के नेतृत्व में बदली काशी, परंपरा और विकास का अद्भुत संगम ट्ट राज्य मंत्री रविंद्र जायसवाल ने कराया परिचय, पूरे प्रवास में कराते रहे सांस्कृतिक विरासत से रूबरू

सुरेश गांधी

वाराणसी. श्रीकाशी विश्वनाथ धाम परिसर में दर्शन-पूजन के बाद दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से उत्तर प्रदेश सरकार के स्टाम्प एवं न्यायालय शुल्क, पंजीयन राज्य मंत्री रविंद्र जायसवाल ने मेरा परिचय कराया। औपचारिक परिचय कुछ ही क्षणों का था, लेकिन उसके बाद हुई बातचीत में दिल्ली से लेकर काशी, विकास, संस्कृति, सुशासन और उत्तर प्रदेश की बदलती तस्वीर तक अनेक विषय सहजता से सामने आए। मुख्यमंत्री ने सबसे पहले कहा कि काशी उनके लिए केवल एक धार्मिक नगर नहीं, बल्कि भारत की सनातन चेतना का जीवंत केंद्र है। उन्होंने स्वीकार किया कि पहली बार काशी आने के बाद उन्हें यहां की आध्यात्मिक ऊर्जा और सांस्कृतिक विराटता को निकट से देखने का अवसर मिला। उन्होंने साफ शब्दों में कहा,काशी केवल दर्शन का विषय नहीं, बल्कि भारत की आत्मा को महसूस करने का अनुभव है। प्रस्तुत है सीनियर रिपोर्टर सुरेश गांधी के साथ रेखा गुप्ता की हुई बातचीत के कुछ प्रमुख अंशः-

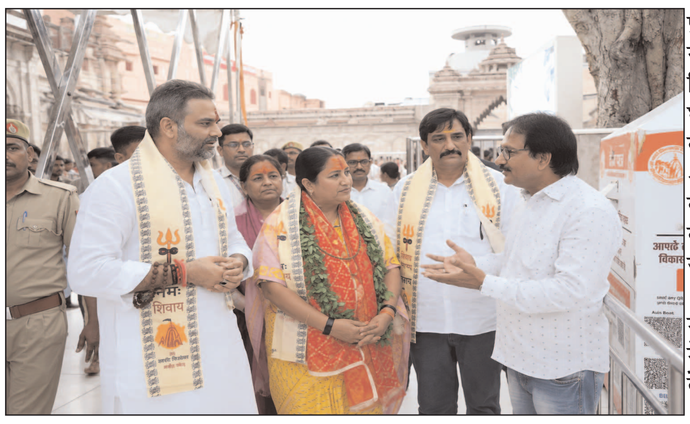

प्रश्न : जन्मदिन पर बाबा विश्वनाथ के दरबार में आना कितना विशेष रहा?

रेखा गुप्ता : मेरे लिए यह केवल जन्मदिन नहीं, बल्कि जीवन का एक आध्यात्मिक अवसर है। बाबा विश्वनाथ के चरणों में जलाभिषेक और पूजा-अर्चना का सौभाग्य मिला। मैंने देश, दिल्ली और सभी नागरिकों के सुख-समृद्धि की कामना की है।

प्रश्न : पहली बार काशी आकर सबसे अधिक किस बात ने प्रभावित किया?

रेखा गुप्ता : काशी की सबसे बड़ी पहचान यह है कि यहां प्राचीनता और आधुनिकता साथ-साथ चलती हैं। विश्वनाथ धाम का विस्तार, घाटों की भव्यता, स्वच्छता, बेहतर व्यवस्थाएं और श्रद्धालुओं की सुविधाएं यह बताती हैं कि विरासत को बचाते हुए विकास भी किया जा सकता है।

प्रश्न : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र के रूप में काशी को किस नजर से देखती हैं?

रेखा गुप्ता : पिछले वर्षों में काशी का स्वरूप जिस तरह बदला है, वह पूरे देश के लिए एक मॉडल है। यहां विकास केवल निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि संस्कृति, पर्यटन, आध्यात्मिकता और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिली है। काशी आज विश्व के सामने भारत की सांस्कृतिक शक्ति का प्रतिनिधित्व कर रही है।

प्रश्न : दिल्ली और काशी में आपको सबसे बड़ा अंतर क्या दिखाई दिया?

रेखा गुप्ता : दिल्ली देश की प्रशासनिक राजधानी है, जबकि काशी भारत की आध्यात्मिक राजधानी है। दोनों की अपनी-अपनी भूमिका है, लेकिन काशी की आत्मीयता और आध्यात्मिक वातावरण हर आने वाले को भीतर तक स्पर्श करता है।

प्रश्न : उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार के कार्यों को कैसे देखती हैं?

रेखा गुप्ता : उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था, आधारभूत संरचना, धार्मिक पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर व्यापक कार्य हुए हैं। इसका प्रभाव अब राष्ट्रीय स्तर पर भी दिखाई देता है।

प्रश्न : काशी प्रवास की सबसे यादगार स्मृति?

रेखा गुप्ता : बाबा विश्वनाथ के दर्शन, गंगा आरती और काशी के लोगों का अपनापन। यहां जो स्नेह मिला, वह हमेशा स्मृतियों में रहेगा। बनारस की प्रसिद्ध चाय का स्वाद भी इस यात्रा को और यादगार बना गया।

पहली बार काशी, लेकिन अपनापन वर्षों पुराना

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पहली बार काशी आईं, लेकिन दो दिनों के प्रवास में उन्होंने जिस आत्मीयता से यहां की संस्कृति, परंपरा और जनजीवन को आत्मसात किया, उसने इस यात्रा को औपचारिक दौरे से आगे बढ़ा दिया। विश्वनाथ धाम, कालभैरव मंदिर, मां विंध्यवासिनी धाम, गंगा आरती और बनारसी चाय–हर पड़ाव पर उन्होंने काशी को महसूस किया।

रविंद्र जायसवाल बने काशी के सांस्कृतिक मार्गदर्शक

उत्तर प्रदेश के स्टाम्प एवं न्यायालय शुल्क, पंजीयन राज्य मंत्री रविंद्र जायसवाल ने बाबतपुर एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री का स्वागत करने से लेकर पूरे प्रवास तक उनके साथ रहकर काशी की धार्मिक परंपरा, ऐतिहासिक विरासत और बदलते विकास मॉडल से परिचित कराया। विश्वनाथ धाम, विंध्याचल और गंगा तट के महत्व को उन्होंने विस्तार से समझाया।

आयुष जायसवाल की सक्रिय भूमिका भी रही चर्चा में

पूरे प्रवास के दौरान मंत्री रविंद्र जायसवाल के पुत्र आयुष जायसवाल मुख्यमंत्री के कार्यक्रमों के समन्वय में लगातार सक्रिय दिखाई दिए। एयरपोर्ट से लेकर विश्वनाथ धाम तक लगभग हर पड़ाव पर उनकी उपस्थिति रही। स्थानीय कार्यकताओं और प्रशासन के बीच समन्वय स्थापित करने में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इंदौर के पोस्टल असिस्टेंट की हत्या के आरोपी पति की मिली लाश, सिर गायब

इंदौर से 11 जुलाई से था फरार

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर में पोस्टल असिस्टेंट उर्मिला सैनी की हत्या के फरार आरोपी पति अखिलेश सैनी का शव मिला है। गंजबासौदा में रेलवे ट्रैक पर मिले शव का सिर धड़ से गायब है। पैंट की जेब से अखिलेश के दस्तावेज बरामद हुए। पुलिस ने कहा है कि परिजन से पहचान कराने के बाद ही आधिकारिक पुष्टि की जाएगी। इंदौर पुलिस समेत अखिलेश के परिजन गंजबासौदा के लिए निकल गए हैं।

शहर थाना टीआई संजय वेदिया ने कहा- गंजबासौदा और पवई के बीच रेलवे ट्रैक के पोल नंबर 925 पर एक शव पड़े होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचे तो देखा कि पटरी पर सिर्फ धड़ पड़ा है। सिर गायब है। जेब की तलाशी लेने पर अखिलेश सोनी का आधार कार्ड और सुसाइड नोट मिले।

वेदिया ने बताया कि पुलिस ने रेलवे ट्रैक के आसपास करीब 6 किलोमीटर तक जांच की, लेकिन सिर नहीं मिला। दरअसल, बीती 11 जुलाई को सरकारी आवास में पोस्टल असिस्टेंट उर्मिला सैनी (38) की हत्या कर दी गई थी। वारदात का खुलासा तब हुआ, जब दोपहर करीब एक बजे उनके दोनों बच्चे स्कूल से लौटे। घर का मेन गेट खुला था और अंदर तेज आवाज में टेलीविजन चल रहा था।

घर के भीतर पहुंचने पर बच्चों ने मां को खून से लथपथ देखा। उन्होंने तुरंत अपने नाना सत्यनारायण मालाकार को फोन किया। बच्चों के रोने की आवाज सुनकर आसपास के लोग पहुंचे और पुलिस को सूचना दी थी। तभी से पोस्टल असिस्टेंट उर्मिला सैनी का पति अखिलेश फरार था।

इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव व विधायक गोलू शुक्ला ने निर्माणाधीन सड़क का किया निरीक्षण

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव और विधायक गोलू शुक्ला ने मधु मिलन चौराहा से छावनी चौराहा तक निमार्णाधीन मास्टर प्लान सड़क का निरीक्षण किया। महापौर ने निर्माण कार्य में तेजी लाने, गुणवत्ता बनाए रखने और वर्षाकाल में बैरिकेडिंग व सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं मधु मिलन से छावनी तक निमार्णाधीन सड़क का भी निरीक्षण किया। निर्माण कार्य की प्रगति, गुणवत्ता एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेकर अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने तथा नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनप्रतिनिधियों, नगर निगम की टीम एवं नागरिकों के सहयोग से यह मार्ग शीघ्र ही इंदौर को एक आधुनिक, सुरक्षित और सुव्यवस्थित सड़क के रूप में समर्पित होगा।

दिवा में श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुआ सुंदरकांड पाठ का आयोजन

दिवा, ठाणे। ठाणे जिला के दिवा शहर में सत्यम माली के निवास स्थान पर श्रद्धा, आस्था और भक्ति के साथ श्रीरामचरितमानस के सुंदरकांड पाठ का भव्य आयोजन किया गया। इस धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और भगवान श्रीराम तथा संकटमोचन हनुमान जी की आराधना कर क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि और जनकल्याण की कामना की। सुंदरकांड पाठ का शुभारंभ विधि-विधान के साथ भगवान श्रीराम, माता सीता एवं हनुमान जी के पूजन से हुआ। इसके बाद श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से सुंदरकांड का पाठ किया। पूरे आयोजन के दौरान वातावरण जय श्रीराम और ₹जय बजरंगबली₹ के जयघोष से भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन में भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से एडवोकेट बिपिन दुबे, संतोष तिवारी, परशुराम सेना , शिवम् माली, रजनीश सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने धार्मिक आयोजनों को समाज में आपसी भाईचारा, सद्भाव और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। आयोजक सत्यम माली ने सभी अतिथियों एवं श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और लोगों को एकजुट होने का अवसर प्रदान करते हैं। सुंदरकांड पाठ के समापन पर हनुमान जी की आरती की गई तथा सभी श्रद्धालुओं को महाप्रसाद वितरित किया गया। पूरे आयोजन में श्रद्धा, अनुशासन और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। स्थानीय श्रद्धालुओं ने इस धार्मिक आयोजन की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाने की कामना व्यक्त की।

आदर्श सुपर फैसिलिटी हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. शरद मिश्रा से कि शिष्टाचार मलाकात

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। आज आदर्श सुपर फैसिलिटी हॉस्पिटल (कान, नाक एवं गला) के डायरेक्टर डॉ. शरद मिश्रा से राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्रधारी यादव, एडवोकेट हरविंदर यादव, ग्राम प्रधान सराय भादी (भदिया) राम नवल यादव, विनोद यादव एवं सुनील यादव ने शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात के दौरान डॉ. शरद मिश्रा ने सभी आगंतुकों का गर्मजोशी से स्वागत एवं सम्मान किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ₹हमारे लायक जो भी सेवा होगी, उसके लिए हम 24 घंटे तैयार हैं। यह हॉस्पिटल केवल हमारा नहीं, बल्कि आप सभी लोगों का है। राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्रधारी यादव ने कहा कि अब तक उनकी डॉ. शरद मिश्रा से केवल फोन पर बातचीत होती थी, लेकिन आज व्यक्तिगत रूप से मिलकर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हुई। उन्होंने उत्तर यादव युवा संघ की ओर से डॉ. मिश्रा को शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

CMAI के 83वें नेशनल गारमेंट फेयर में टूटे रिकॉर्ड

मुंबई। क्लोदिंग मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (CMAI) द्वारा आयोजित 83वें नेशनल गारमेंट फेयर (NGF) के वीमेंसवेयर और मेंसवेयर सेगमेंट का तीन दिनों के शानदार बिजनेस एंगेजमेंट के बाद 13 से 15 जुलाई, 2026 को बेहद सफल समापन हुआ। यह गारमेंट फेयर गोरेगांव स्थित बॉम्बे एग्जीबिशन सेंटर और बांद्रा ईस्ट के MMRDA ग्राउंड्स (BKC) में एक साथ आयोजित किया गया था। इससे पहले आयोजित हुए किड्सवेयर सेगमेंट और हाल ही में संपन्न हुए वीमेंस व मेंसवेयर सेगमेंट को मिलाकर, 83वें नेशनल गारमेंट फेयर में रिटेलर्स, डिस्ट्रीब्यूटर्स, व्होलसेलर्स और बाइंग एजेंट्स सहित कुल 48,500 से अधिक खरीदारों (बायर्स) ने शिरकत की, जिसने भारत के सबसे बड़े अपेरल ट्रेड फेयर के रूप में इसके स्थान को और मजबूत कर दिया है।

रोहित शर्मा ने 84 गेंदों पर जड़ा शतक, कोहली के साथ 50+ रनों की साझेदारी

भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ शतक जड़ दिया है। रोहित ने 84 गेंदों पर अपने वनडे करियर का 34वां शतक पूरा किया। रोहित और कोहली के बीच दूसरे विकेट के लिए 50+ रनों की साझेदारी पूरी हो गई है। 388 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने 32वें ओवर तक 200 रनों का आंकड़ा पार कर लिया है।

रोहित और कोहली के बीच साझेदारी पनप रही है जिससे भारत का स्कोर 200 के करीब पहुंच गया है। रोहित शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं और शतक बनाने के करीब पहुंच गए हैं।

भारत को कप्तान शुभमन गिल के रूप में पहला झटका लगा है। गिल और रोहित ने पहले विकेट के लिए 147 रन जोड़े थे, लेकिन आदिल राशिद ने गिल को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। गिल 84 गेंदों पर 10 चौकों और एक छक्के की मदद से 77 रन बनाकर आउट हुए। रोहित शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में 50 गेंदों पर अर्धशतक जड़ दिया है। रोहित का वनडे में यह 63वां पचासा है। रोहित पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे थे, लेकिन इस मैच में उनका बल्ला जमकर चला। रोहित और गिल के बीच शतकीय साझेदारी हो गई है।

रोहित शर्मा और शुभमन गिल के बीच पहले विकेट के लिए शतकीय साझेदारी पूरी हो गई है। इंग्लैंड के खिलाफ विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने अच्छी शुरूआत की है।

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में अर्धशतक जड़ दिया है। गिल और रोहित के बीच पहले विकेट के लिए शानदार साझेदारी चल रही है।

भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरे और आखिरी वनडे मैच में रोहित शर्मा और शुभमन गिल के बीच 50 रनों की साझेदारी 11 में हुई। दोनों बल्लेबाजों ने धीमी लेकिन सधी शुरूआत की है।

इंग्लैंड के खिलाफ विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरूआत धीमी रही है। भारत ने छह ओवर की समाप्ति तक बिना किसी नुकसान के 24 रन बनाए हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की पारी शुरू हो गई है। भारत के लिए कप्तान शुभमन गिल के साथ रोहित शर्मा बल्लेबाजी के लिए उतरे हैं।

इंग्लैंड ने भारत के सामने 388 रनों का लक्ष्य रखा है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 50 ओवर में तीन विकेट पर 387 रन बनाए। लॉर्ड्स में यह वनडे का सर्वोच्च स्कोर है। इंग्लैंड के लिए बेन डकेट ने शतक लगाया, जबकि जैकब बेथेल और जो रूट ने अर्धशतकीय पारी खेली। जोस बटलर 13 गेंदों पर चार चौकों तीन छक्कों की मदद से नाबाद 41 रन बनाए। इंग्लैंड की ओर से डकेट ने सबसे ज्यादा 135 गेंदों पर 18 चौकों और एक छक्के की मदद से 141 रन बनाए। वहीं, बेथेल ने 91 और रूट ने 48 गेंदों पर नौ चौकों की मदद से नाबाद 74 रन बनाए। भारत की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा को दो और प्रिंस यादव को एक विकेट मिला।

रजोनिवृत्ति (Menopause) और बालों का पतला होना

रजोनिवृत्ति क्या है?

रजोनिवृत्ति (Menopause) महिलाओं के जीवन का एक स्वाभाविक चरण है, जब लगातार 12 महीनों तक मासिक धर्म नहीं आता, तब इसे रजोनिवृत्ति कहा जाता है। यह सामान्यतः 45 से 55 वर्ष की आयु के बीच होती है। इस दौरान शरीर में हार्मोनल परिवर्तन होते हैं, विशेष रूप से एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन हार्मोन का स्तर कम होने लगता है।

रजोनिवृत्ति के सामान्य लक्षण

* मासिक धर्म का अनियमित होना और बंद हो जाना
* अचानक गर्मी लगना (Hot Flashes)
* रात में पसीना आना
* नींद में कमी या अनिद्रा
* मूड में बदलाव, चिड़चिड़ापन या उदासी
* थकान और कमजोरी
* वजन बढ़ना
* त्वचा और बालों में बदलाव

बालों पर हार्मोन का प्रभाव

स्वस्थ और घने बालों के लिए हामोर्नों का संतुलन बहुत महत्वपूर्ण होता है। रजोनिवृत्ति के दौरान एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन का स्तर कम होने लगता है। ये हार्मोन बालों के विकास चक्र (Hair Growth Cycle) को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनके कम होने से बालों की वृद्धि धीमी हो जाती है और बालों की जड़ें कमजोर होने लगती हैं। परिणामस्वरूप बाल पतले होने लगते हैं, उनकी घनत्व कम हो जाती है तथा बाल पहले की तुलना में अधिक झड़ने लगते हैं।

रजोनिवृत्ति में बालों की समस्याएं

* बालों का अधिक झड़ना
* बालों का पतला और बेजान होना
* बालों की घनत्व (Density) में कमी
* मांग का चौड़ा दिखाई देना
* रूखे और कमजोर बाल

यह बदलाव विशेष रूप से सिर के ऊपरी भाग और बीच की मांग के आसपास अधिक दिखाई दे सकते हैं।

क्या केवल हार्मोन ही जिम्मेदार हैं?

नहीं। रजोनिवृत्ति के दौरान बालों की समस्या में कई अन्य कारण भी योगदान दे सकते हैं, जैसेः

* आयरन की कमी
* विटामिन ऊऔर विटामिन 12 की कमी
* प्रोटीन की कमी
* थायरॉइड विकार
* तनाव और नींद की कमी
* कुछ दवाओं के दुष्प्रभाव

इसलिए बाल झड़ने के कारण का सही मूल्यांकन आवश्यक है।

उपचार और प्रबंधन

रजोनिवृत्ति से संबंधित बालों की समस्या का उपचार कारण के अनुसार किया जाता है।

* संतुलित एवं प्रोटीन युक्त आहार लेना
* आयरन, विटामिन D, B12 तथा अन्य पोषक तत्वों की कमी होने पर उन्हें पूरा करना
* तनाव कम करना और पर्याप्त नींद लेना
* बालों की उचित देखभाल करना तथा अत्यधिक रासायनिक उपचारों से बचना
* नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली अपनाना

आवश्यकता होने पर चिकित्सक की सलाह से दवाएं, सप्लीमेंट्स या अन्य उपचार दिए जा सकते हैं। कुछ मामलों में हार्मोनल मूल्यांकन और विशेष उपचार की भी आवश्यकता पड़ सकती है।

चिकित्सकीय सलाह

यदि रजोनिवृत्ति के दौरान बालों का झड़ना या पतलापन लगातार बढ़ रहा हो, तो इसे केवल उम्र का प्रभाव मानकर अनदेखा न करें। सही निदान के लिए त्वचा एवं बाल रोग विशेषज्ञ द्वारा स्कैल्प की विस्तृत जांच (Scalp Examination) तथा आवश्यक रक्त परीक्षण कराना आवश्यक है। कारण के अनुसार उचित दवाएं, चिकित्सकीय स्कैल्प लोशन, पोषण संबंधी उपचार तथा आवश्यकता पड़ने पर पीआरपी (PRP), एक्सोसोम थेरेपी या अन्य आधुनिक हेयर रिस्टोरेशन उपचार लाभदायक हो सकते हैं। समय पर सही उपचार शुरू करने से बालों का झड़ना नियंत्रित किया जा सकता है तथा बालों की गुणवत्ता और घनत्व में सुधार संभव है।

निष्कर्ष

रजोनिवृत्ति के दौरान बालों का पतला होना और झड़ना एक सामान्य समस्या है, लेकिन यह अपरिहार्य नहीं है। सही समय पर कारण की पहचान, संतुलित आहार, स्वस्थ जीवनशैली और विशेषज्ञ चिकित्सकीय उपचार से बालों को स्वस्थ बनाए रखा जा सकता है। समय पर लिया गया सही उपचार न केवल बालों की गुणवत्ता में सुधार करता है, बल्कि महिलाओं के आत्मविश्वास और जीवन की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाता है।

– डॉ. मोना त्रिवेदी

पंजाब नेशनल बैंक के 30 जून 2026 को समाप्त तिमाही के वित्तीय परिणाम

मुंबई। पंजाब नेशनल बैंक ने आज 30 जून 2026 को खत्म हुई तिमाही के लिए अपने वित्तीय नतीजे घोषित किए। शुद्ध लाभ वित्त वर्ष-26 की प्रथम तिमाही में 1,675 करोड़ की तुलना में वित्त वर्ष-27 की प्रथम तिमाही में 213.6% की वृद्धि के साथ 5,253 करोड़ हो गई। आरओए वार्षिक आधार पर 67 बीपीएस बढ़कर वित्त वर्ष-27 की प्रथम तिमाही में 1.04% हो गया। वैश्विक निवल ब्याज मार्जिन वित्त वर्ष-26 की चौथी तिमाही में 2.47% से बढ़कर वित्त वर्ष-27 की प्रथम तिमाही में 2.50% हो गया। सीआरएआर जून-25 की दर 17.50% से बढ़कर जून-26 को 18.13% हो गया। प्रति शेयर बुक वैल्यू (टैंजिबल) जून-25 में 92.64 से जून-26 में 17.2% की वृद्धि के साथ 108.58 हो गया। वैश्विक कारोबार जून-25 को 27.19 लाख करोड़ से बढ़कर जून 26 को 10.2% की वृद्धि के साथ 29.97 लाख करोड़ हो गया। वैश्विक जमा में वार्षिक आधार पर 8.5% की वृद्धि दर्ज की गई और यह जून-26 को 17.24 लाख करोड़ हो गई, जबकि जून-25 को यह 15.89 लाख करोड़ थी। वैश्विक ऋण में वार्षिक आधार पर 12.7% की वृद्धि दर्ज की गई, जून-25 को 11,29,898 करोड़ से बढ़कर जून-26 को 12,73,132 करोड़ हो गई। जून-26 को सीडी अनुपात 73.8% दर्ज किया गया, यह जून-25 में 71.1% था। जीएनपीए अनुपात जून-25 को 3.78% से 100 बीपीएस बढ़कर जून-26 को 2.78% हो गया। क्रमिक आधार पर जून-26 मे इसमें 17 बीपीएस की वृद्धि हुई है। एनएनपीए अनुपात जून-25 के 0.38% की तुलना में जून-26 को 10 बीपीएस सुधरकर 0.28% हो गया। क्रमिक आधार पर जून-26 मे इसमें 1 बीपीएस का सुधार हुआ है। स्लिपेज अनुपात वित्त वर्ष-26 की प्रथम तिमाही में यह 0.71% में 3 बीपीएस की वृद्धि हुई और यह वित्त वर्ष-27 की प्रथम तिमाही में 0.68% दर्ज किया गया। बचत जमा वार्षिक आधार पर 7.2% की वृद्धि दर्ज करते हुए बढ़कर 5,33,798 करोड़ रहा। चालू जमा जून-26 को वार्षिक आधार पर 12.3% की वृद्धि दर्ज करते हुए 79,318 करोड़ रहा। कासा जून-26 को वार्षिक आधार पर 7.8% की वृद्धि दर्ज करते हुए 6,13,116 करोड़ रहा। बैंक की कासा हिस्सेदारी जून-26 को 36.7% रही। कोर रिटेल अग्रिम के अंतर्गत 17.5% की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई। आवास ऋण वार्षिक आधार पर 11.9% बढ़कर 1,32,840 करोड़ हो गया। वाहन ऋण वार्षिक आधार पर 34.4% की वृद्धि दर्ज करते हुए 36,599 करोड़ हो गया। कृषि (प्राथमिकता क्षेत्र) अग्रिम वार्षिक आधार पर 16.4% की वृद्धि के साथ 1,61,668 करोड़ हो गया। एमएसएमई अग्रिमों में वार्षिक आधार पर 19.8% की वृद्धि की गई और यह 2,03,025 करोड़ हो गया। सकल गैर-निष्पादित अस्तियां (जीएनपीए) जून-25 के 42,673 करोड़ से जून-26 को ?35,381 करोड़ रह गईं। शुद्ध गैर-निष्पादित अस्तियां (एनएनपीए) जून-25 के 4,132 करोड़ से जून-26 को 3,433 करोड़ रह गईं। परिचालन लाभ 6.2% की वृद्धि के साथ जून-26 में बढ़कर 7,519 करोड़ दर्ज हुआ जो कि जून 25 मे 7,081 करोड़ था।

बेटे का खूनी गुस्सा: बेसबॉल बैट से पिता पर ताबड़तोड़ हमले, रातभर हुआ था झगड़ा

सिरसागंज । यूपी के फिरोजाबाद स्थित सिरसागंज कस्बे के अहीर टोला मोहल्ले में रविवार सुबह घरेलू विवाद ने खूनी रूप ले लिया। शराब पीने के आदी बेटे का पिता से विवाद हुआ तो उसने अपने 70 वर्षीय पिता की बेसबॉल बैट से हमला कर हत्या कर दी। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। भाई की तहरीर पर पुलिस ने गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है। घटनाक्रम रविवार दोपहर करीब 12 बजे अहीर टोला निवासी राकेश बाबू शर्मा (70 वर्ष) का अपने पुत्र उपेंद्र शर्मा पैसों को लेकर विवाद हो गया था। परिजनों के अनुसार उपेंद्र शराब पीने का आदी था और इसी बात को लेकर घर में आए दिन कहासुनी होती रहती थी। विवाद के दौरान गुस्से में आकर उपेंद्र ने घर में रखे बेसबॉल के बल्ले से अपने पिता के सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिए, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए।

परिजन तुरंत राकेश बाबू शर्मा को उपचार को अस्पताल लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के समय घर में आरोपी की पत्नी वंदना शर्मा व पिता राकेश बाबू शर्मा मौजूद थे। परिजनों की मानें तो आरोपी उपेंद्र कुछ समय पहले तक दिल्ली में नौकरी करता था, लेकिन लगभग एक माह पूर्व नौकरी छोड़कर घर लौट आया था। सूचना मिलते ही थाना सिरसागंज पुलिस एवं फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त बेसबॉल बैट बरामद कर आरोपी उपेंद्र शर्मा को हिरासत में ले लिया है। शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। थाना प्रभारी अनिल कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मृतक के बेटे लालजी शर्मा की तहरीर पर भाई के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।